दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

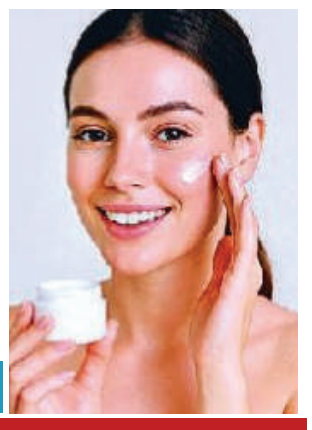

होममेकर के साथ-साथ...

नाइट क्रीम से मिलेगा सॉफ्ट- नेचुरल ग्लो

वर्ष : 12 | अंक : 201 | लखनऊ, 15 जुलाई, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

बांकीपुर से जेजेडी कैंडिडेट वीणा का नामांकन रद्द

बांकीपुर। बांकीपुर विधानसभा सीट से जनशक्ति जनता दल की प्रत्याशी वीणा मानवी उर्फ वीणा

मांडवी का नामांकन रद्द कर दिया गया है। जेजेडी के प्रमुख तेज प्रताप यादव मंगलवार को इस बारे में जानकारी लेने पटना के डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट भी पहुंचे। नामांकन क्यों रद्द किया गया है, इस बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। चुनाव आयोग ने आधिकारिक रूप से वीणा मानवी का नामांकन रद्द करने की पुष्टि कर दी है।

नेपाल बॉर्डर पर अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सशस्त्र सीमा बल ने एक अमेरिकी नागरिक को संदिग्ध

परिस्थितियों में हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान जॉर्डन ब्राउन के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले थाईलैंड गया था, जहां उसका पासपोर्ट खो गया। इसके बाद वह श्रीलंका पहुंचा। वहां से जलमार्ग के रास्ते भारत में प्रवेश किया। यह भी बताया कि नवंबर 2025 से वह बिना किसी वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज के गोवा में रह रहा था।

शिक्षक-शिक्षिका का शर्मनाक वीडियो,सस्पेंड

कन्नौज। जिले के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल में क्लासरूम के अंदर से एक शिक्षक-शिक्षिका का

शर्मनाक वीडियो वायरल होने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बीएसए ने मामले पर खंड शिक्षा अधिकारी से रिपोर्ट तलब की थी। मंगलवार को उन्होंने शिक्षक और शिक्षिका दोनों को सस्पेंड कर दिया।

रूममेट ने सिल दिए महिला के होंठ, अरेस्ट

टोक्यो। जापान के इबाराकी में 49 साल की मसाए सकुराई पर आरोप है कि उसने अपनी ही रूमनेट के

होंठ सुई धागे से सिल दिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब महिला अपनी जान बचाने के लिए किसी तरह रूम से निकलकर पास की एक दुकान तक पहुंची। दर्द से कराहती महिला ने अपनी आपबीती दुकानदार को लिखकर बताई। जिसके बाद दुकानदार ने पुलिस को फोन कर बुलाया। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़ित की रूममेट को गिरफ्तार कर लिया।

प्रोजेक्ट अलंकार से विद्यालयों में नया शैक्षणिक वातावरण तैयार

उत्तर प्रदेश के 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों का हुआ कायाकल्प, संतृप्तिकरण 36% से बढ़कर 96.30 के पार

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

बेसिक शिक्षा विभाग में ऑपरेशन कायाकल्प और माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से विद्यालयों का स्वरूप बदला है। पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षाएं, अतिरिक्त कक्ष, डिजिटल संसाधन और आधुनिक शिक्षण सुविधाओं ने सरकारी विद्यालयों में नया शैक्षणिक वातावरण तैयार किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की सरकारी विद्यालयी शिक्षा में व्यापक बदलाव दिखाई दे रहा है। सरकार ने केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया है। बेसिक शिक्षा विभाग में ऑपरेशन कायाकल्प और माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से विद्यालयों का स्वरूप बदला है। पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षाएं, अतिरिक्त कक्ष, डिजिटल संसाधन और आधुनिक शिक्षण सुविधाओं ने सरकारी विद्यालयों में नया शैक्षणिक वातावरण तैयार किया है।

पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास और आधुनिक सुविधाओं का विस्तार

विद्यालयों की तस्वीर बदली

ऑपरेशन कायाकल्प ने परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अंतर्गत 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प किया जा चुका है। वर्ष 2017-18 में जहां विद्यालयों का संतृप्तिकरण 36 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 96.30 प्रतिशत के पार पहुंच गया है। बच्चों के लिए 3.42 लाख डेस्क-बेंच उपलब्ध कराने की कार्यवाही तेजी से चल रही है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए सरकार ने कई नई पहल

विद्यालयों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए सरकार ने कई नई पहल शुरू की हैं। प्रदेश के 75 जिलों में 150 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से 141 विद्यालयों के लिए भूमि चयन पूरा हो चुका है। इसके साथ 75 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय भी विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश में 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित हैं। इन्हें चरणबद्ध रूप से कक्षा 6 से 12 तक उच्चीकृत किया जा रहा है। जिन विकास खंडों में केजीबीवी नहीं हैं, वहां नए आवासीय बालिका विद्यालय स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है।

यूपी निवेशकों की पहली पसंद

बीमारू मानसिकता से उबरकर 9 वर्षों में तीन गुना हुई प्रदेश की अर्थव्यवस्था

यूपी को मिले 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, सवा तीन करोड़ युवाओं को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री मंगलवार को विशेष कॉन्क्लेव में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पिछले 9 वर्षों से अधिक समय के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में आए युगांतकारी परिवर्तनों और उपलब्धियों को रेखांकित किया...

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ लखनऊ,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है, वे देश की अस्मिता व आस्था पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मामले में ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

नैतिक आधार पर इस्तीफे भी हुए हैं। लेकिन, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जो लोग आस्था के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं, हिंदू धामों पर प्रहार कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो गरीबों के हक पर डकैती डालते थे और हनुमानगढ़ी जैसे पवित्र स्थल पर नमाज पढ़वाने का कुत्सित प्रयास करते थे। सीएम ने जनता से राष्ट्रीय मूल्यों को ठेस पहुंचाने वाली ऐसी ताकतों से सजग रहने की अपील की।

विस्फोटों से जुड़ता था यूपी का नाम

सीएम ने कहा कि उस वक्त देश में कहीं विस्फोट होता था, तो यूपी का नाम जुड़ता था। पिछली सरकारों में दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। माफियाओं के सामने सरकारें नतमस्तक होकर नाक रगड़ती थीं। नई पीढ़ी को यह जानकारी देने की आवश्यकता है। लेकिन, पिछले 9 वर्षों में हमारी पहचान दंगा, कर्फ्यू और उपद्रवमुक्त उत्तर प्रदेश के रूप में बनी है। उत्तर प्रदेश में अब बेटी, व्यापारी समेत हर व्यक्ति सुरक्षित है।

बेटियों को यूपी से बाहर भेज देते थे लोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में 2017 से पहले हर तीसरे दिन दंगा होता था, महीनों तक कर्फ्यू रहता था। बेटी व व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। 35 से ज्यादा ऐसे जनपद थे, जहां लोगों ने बेटी को यूपी के बाहर हॉस्टल या रिश्तेदार के घर भेजकर पढ़ाई कराई। अन्य लोग बेटियों की सुरक्षा के लिए उन्हें स्कूल भेजना ही बंद कर देते थे। व्यापारी को पता नहीं होता था कि घर लौट पाएगा या नहीं।

यूपी को मिले 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा का वातावरण नहीं बना होता तो कोई निवेशक यूपी में नहीं आता। हमने 2017 अक्टूबर में इन्वेस्टर समिट की योजना बनाई और इसके लिए पॉलिसी तैयार की। नतीजा यह कि यूपी को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं, जिसमें 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे जा चुके हैं। 2017 के पहले लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास, मुरादाबाद का पीतल, मेरठ का स्पोर्ट्स, भदोही का कालीन व बनारस का साड़ी उद्योग दम तोड़ रहा था।

मंत्री बोले-वन नेशन, वन इलेक्शन'

बार-बार चुनाव से विकास प्रभावित, एक साथ से गति

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित में लिया गया एक ऐतिहासिक कदम है, जिसे शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ 'वन वोटर लिस्ट' की व्यवस्था भी लागू की जानी चाहिए, जिससे चुनाव प्रक्रिया और अधिक प्रभावी व पारदर्शी बन सके। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2021 से अब तक उन्होंने लोकसभा, विधानसभा, पंचायत और नगर निकाय सहित कई चुनाव देखे हैं तथा आगामी वर्षों में भी चुनाव प्रस्तावित हैं।

चुनावी खर्च में कमी आएगी

उन्होंने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' लागू होने से चुनावी खर्च में कमी आएगी, सुरक्षा बलों की बार-बार तैनाती की आवश्यकता घटेगी तथा जनता को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में यह व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक में मौजूद नेताओं ने प्रस्ताव का समर्थन किया

बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, पंचायती राज मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। उन्होंने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह सुधार देशहित में आवश्यक है और सभी राजनीतिक दलों तथा समाज के सभी वर्गों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इसका समर्थन करना चाहिए।

महाराष्ट्र एटीएस की जांच में खुलासा

पाक गैंगस्टर भट्टी के संपर्क में थे पुणे के 66 लोग!, डिजिटल साक्ष्य जुटाए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

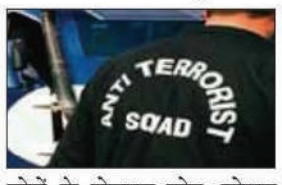

पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर एटीएस ने सोमवार को पुणे जिले में बड़ा अभियान चलाया। एटीएस की टीमों ने शहजाद भट्टी के संपर्क में आए 66 लोगों से पूछताछ की। यह कार्रवाई पुणे शहर पुलिस, पुणे ग्रामीण पुलिस और पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस की मदद से जिले के विभिन्न इलाकों में एक साथ की गई। एटीएस ने बताया कि शुरुआती जांच में इन लोगों के सोशल मीडिया के जरिए शहजाद भट्टी के संपर्क में आने के संकेत मिले हैं। पूछताछ के दौरान संबंधित लोगों के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया खाते, चैट, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं इन लोगों का इस्तेमाल कट्टरपंथी विचारधारा की ओर धकेलने, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने या किसी संगठित नेटवर्क से जोड़ने के लिए तो नहीं किया।

न्यूजीलैंड मंत्री टॉड मैक्ले का दावा

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए साल के अंत तक लागू, 1-2 साल में शुरू होंगी सीधी उड़ानें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने भरोसा जताया है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) इस साल के अंत तक लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार को तेज गति देने के साथ ही अगले 1-2 साल में सीधी उड़ानों की शुरुआत का रास्ता भी तैयार करेगा। टॉड मैक्ले ने एफटीए को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला पहला और सबसे अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर करना हमारे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमने सिर्फ नौ महीनों में इस समझौते पर बातचीत पूरी कर ली। समझौते के लागू होते ही भारतीय निर्यातक न्यूजीलैंड को जीरो ड्यूटी पर सामान भेज सकेंगे। कृषि मशीनरी, ऑटोमोबाइल, केमिकल्स और कई सेवाओं में भारत से निर्यात बढ़ेगा। वहीं, न्यूजीलैंड के 90-95% निर्यात पर टैरिफ खत्म हो जाएगा।

'शौर्य विजय यात्रा' को किया रवाना

कारगिल के शहीदों को नमन

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस 2026 के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक आयोजित 13 दिवसीय 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा में सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा बलों के 28 बाइक सवार अपने परिवारों के साथ 1,900 किमी की दूरी तय कर 1999 के कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यात्रा का आदर्श वाक्य 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम' रखा गया है। राजनाथ सिंह ने कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 1999 की विजय भारत के उस अटूट संकल्प का प्रतीक है कि देश अपनी भूमि, पहचान और सम्मान पर किसी भी शत्रुतापूर्ण दुस्साहस का पूरी शक्ति से जवाब देगा। लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई और माइनस 40 डिग्री सेल्सियस पर तिरंगे का गौरव रखा।

विदेश मंत्रालय के पूर्व अधिकारी का दावा

अख्तर-आसिफ भारत में लाते थे ड्रग्स, कोच वूल्मर की मौत भी शायद इसी कारण हुई थी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह मंत्रालय के पूर्व अंडर सेक्रेटरी आरवीएस मणि ने दावा किया कि भारत दौरे पर आने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उसके प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य कथित तौर पर ड्रग्स तस्करी में शामिल होते थे। उन्होंने इस गतिविधि के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी हाथ होने का आरोप लगाया। मणि ने कहा कि इस मामले की रिपोर्ट हुई थी कि शोएब अख्तर और मोहम्मद आसिफ, जो क्रिकेटर हैं, उन्होंने पाकिस्तानी हाई कमिश्नर के सामने खुद स्वीकार किया था कि वे ड्रग्स लेकर आए हैं। इसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया था।

शोएब अख्तर | आसिफ | मणि

आतंकवाद की फंडिंग भी ड्रग्स तस्करी से

मणि ने कहा कि शोएब-आसिफ की घटना के करीब छह महीने बाद पाकिस्तान टीम के इंग्लिश कोच बॉब वूल्मर, जो पाकिस्तानियों द्वारा ड्रग्स तस्करी का विरोध कर रहे थे, उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मणि ने कहा कि इन सभी डॉट्स को कनेक्ट किया जाना चाहिए और यह तय है कि पाकिस्तानी दल ड्रग्स लाते थे। उन्होंने कहा कि भारत में होने वाले लगभग 30 फीसदी आतंकी हमलों की फंडिंग ड्रग्स तस्करी से होती थी। भारत में ड्रग्स भेजना पाक की नीति रही है।

हर बाधा को पार करना ही 'ऑपरेशनल एक्सीलेंस'

'ऑब्सटेकल ट्रेनिंग' के बाद ही तैयार होते हैं अग्निवीर

आज पार की गई हर बाधा कल के लिए एक योद्धा को मजबूत बना रही

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय सेना ने अग्निवीरों को ट्रेनिंग देने की जानकारी साझा की है। भारतीय सेना ने कहा कि हर बाधा को पार करना ऑपरेशनल एक्सीलेंस (काम में बेहतरीन प्रदर्शन) की दिशा में एक कदम है। डोगरा रेजिमेंटल सेंटर में अग्निवीरों को कठिन बाधा-पार प्रशिक्षण (ऑब्सटेकल ट्रेनिंग) से गुजरना पड़ता है। इससे उनमें सहनशक्ति, फुर्ती, मानसिक मजबूती और दबाव में काम करने का आत्मविश्वास पैदा होता है। युद्ध के मैदान की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का अनुभव कराने के लिए डिजाइन की गई यह ट्रेनिंग तेजी से फैसला लेने, टीमवर्क और मुश्किल हालात में डटे रहने की क्षमता को बढ़ाती है।

ट्रेनिंग के दौरान बाधा पार करते अग्निवीर

ट्रेनिंग युद्ध की हकीकत के करीब

सेना ने कहा कि हकीकत के करीब, चरणबद्ध और मिशन पर केंद्रित ट्रेनिंग के जरिए, युवा रंगरूटों को ऐसे आत्मविश्वासी और युद्ध के लिए तैयार सैनिकों में बदल रहा है, आज पार की गई हर बाधा कल के लिए एक योद्धा को और मजबूत बनाती है।

मजबूत टीमवर्क जरूरी

सेना ने बताया कि हर चरण में असली ऑपरेशन जैसे हालात में तेजी, तालमेल, सटीकता और मजबूत टीमवर्क की जरूरत थी। ऐसे में असल और मिशन पर केंद्रित ट्रेनिंग से तेजी से कार्रवाई करने की क्षमता मजबूत होती है और लड़ने की कुशलता बढ़ती है। इससे यह भी पक्का होता है कि भारतीय सेना के पैराट्रूपर्स किसी भी आपात स्थिति में तेजी और असरदार ढंग से कार्रवाई करने के लिए तैयार रहें। कड़ी ट्रेनिंग, सटीक हमला, मिशन पूरा करना।

आतंकवाद विरोधी मिशन का अभ्यास किया

वहीं, भारतीय सेना ने शत्रुजीत ब्रिगेड के पैराट्रूपर्स के 'स्पेशल हेलीबोर्न ऑपरेशन्स' के बारे में जानकारी दी। इसमें अग्निवीरों ने ज्यादा जोखिम वाले आतंकवाद-विरोधी मिशनों के लिए अपनी ऑपरेशनल तैयारी को बेहतर बनाने के मकसद से, शहरी इलाके में बंधकों को छुड़ाने जैसे मुश्किल हालात का अभ्यास किया। इस अभ्यास में टैक्टिकल हेलीकॉप्टर इंसर्शन (जैसे स्लिदरिंग, एसटीआईई और लो-होवर ड्रिल) के जरिए जमीन और हवा के बीच बेहतरीन तालमेल दिखाया गया। इसके बाद छत पर सटीक तरीके से उतरने और कमरे के अंदर तेजी से और सटीक कार्रवाई (सीक्यूबी) करने का अभ्यास किया गया।

एसजीपीजीआई वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान : आनंदी बेन

एसजीपीजीआई के 30वें दीक्षांत समारोह में 279 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

गवर्नर गोल्ड मेडल, शोध में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 13 चिकित्सक सम्मानित

दो पुस्तकों का लोकार्पण, एचपीवी टीकाकरण व आंगनबाड़ी सशक्तीकरण पर दिया विशेष जोर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि एसजीपीजीआई देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट चिकित्सा, शिक्षा और शोध का केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियों के साथ आत्ममंथन भी आवश्यक है और संस्थान को निरंतर सुधार, नवाचार एवं गुणवत्ता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आंगनबाड़ी व्यवस्था को मजबूत बनाने, एचपीवी टीकाकरण अभियान को व्यापक बनाने, आरोग्य मंदिर और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया। मौका था संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस) का 30वां दीक्षांत समारोह का, जिसमें मंगलवार को 279 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गयीं। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि संस्थान इसी समर्पण, नवाचार और उत्कृष्टता के साथ कार्य करता रहा तो अगले वर्ष राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करना संभव होगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री बृजेश पाठक तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की सचिव एवं महानिदेशक नेहा शर्मा (आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

पारंपरिक अकादमिक शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद राज्यपाल ने औपचारिक रूप से 30वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन किया। सचिव एवं महानिदेशक नेहा शर्मा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एसजीपीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों, शोध कार्यों और आगामी पांच वर्षों की विकास योजना पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसके पश्चात उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को चिकित्सकीय शपथ दिलाई तथा राज्यपाल ने सभी डिग्रियों को डिजीलॉकर पर डिजिटल रूप से उपलब्ध कराया। समारोह में शोध एवं चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 13 संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स को विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, इनमें प्रो. एसएस अग्रवाल पुरस्कार, प्रो. एसआर नाइक पुरस्कार, प्रो. आरके शर्मा पुरस्कार, डॉ. सब्यसाची सरकार पुरस्कार, सर्वाधिक पेटेंट तथा सर्वाधिक इंट्राम्यूरल एवं एक्स्ट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष पहली बार संस्थान के सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्य के लिए शुरू किए गए गवर्नर गोल्ड मेडल से डॉ. नारायण प्रसाद को सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह के दौरान दो महत्वपूर्ण पुस्तकों 'एसेंशियल्स ऑफ ब्रेस्ट सर्जरी: हैंडबुक फॉर ट्रेनीज एंड सर्जन्स' और 'फ्रॉम होप टू हीलिंगः अ प्रैक्टिकल गाइड टू ट्रांसप्लांट सिस्टम इन इंडिया' का भी राज्यपाल ने लोकार्पण किया। कार्यक्रम में एसजीपीजीआई द्वारा गोद लिए गए गांवों के बच्चों ने मां के महत्व पर आधारित प्रेरक प्रस्तुति और गुजराती लोकनृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी राज्यपाल ने सराहना करते हुए बच्चों को पुरस्कृत किया।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सर्वोच्च सेवा है। उन्होंने चिकित्सकों से अपने दीक्षांत संकल्प का आजीवन पालन करने और प्रत्येक रोगी को भगवान का स्वरूप मानकर संवेदनशीलता, सम्मान और समर्पण के साथ उपचार करने का आह्वान किया। समारोह में डिप्टी एसपी बहराइच हर्षिता तिवारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता को एचपीवी टीकाकरण अभियान में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही पांच आंगनबाड़ी कार्यकताओं को किट वितरित की गई।

समारोह के अंत में निदेशक प्रो. आरके धीमन ने अतिथियों का पौधे भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर कार्यकारी कुलसचिव कर्नल वरुण बाजपेयी, डीन प्रो. शलीन कुमार एवं निदेशक प्रो. आरके धीमन ने विभिन्न संकायों के 279 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ये हुए सम्मानित

- गवर्नर गोल्ड मेडल (बेस्ट फैकल्टी): प्रो. डॉ. नारायण प्रसाद (नेफ्रोलॉजी)
- प्रो. एस.आर. नायक अवॉर्ड (आउटस्टैंडिंग रिसर्च इन्वेस्टिगेटर): प्रो. चिन्मय साहू (माइक्रोबायोलॉजी), डॉ. आलोक कुमार (मॉलिक्यूलर मेडिसिन एवं बायोटेक्नोलॉजी)
- प्रो. एस.एस. अग्रवाल अवॉर्ड (रिसर्च एक्सीलेंस): डॉ. अभिषेक शुक्ला (न्यूरोसर्जरी), खुशी शुक्ला (पीएचडी, मॉलिक्यूलर मेडिसिन एवं बायोटेक्नोलॉजी)
- प्रो. आर.के. शर्मा अवॉर्डः सर्वश्रेष्ठ डीएम झ डॉ. आदर्शा (मेडिकल जेनेटिक्स), सर्वश्रेष्ठ एमसीएच डॉ. सम्प्रति दरिया (एंडोक्राइन सर्जरी)
- पद्मश्री डॉ. एस.एस. सरकार गोल्ड मेडलः डॉ. महीम नाज (एमडी रेडियोडायग्नोसिस)
- सर्वाधिक इंट्राम्यूरल अनुदानः प्रो. एबल लॉरेंस (क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी)
- सर्वाधिक एक्स्ट्राम्यूरल ग्रांटः डॉ. सी.पी. चतुर्वेदी (हीमैटोलॉजी, एससीआरसी)
- सर्वाधिक पेटेंट : डॉ. तन्मय घटक (इमरजेंसी मेडिसिन)
- करुणाश्री गोल्ड मेडल (एमएससी नर्सिंग) : ललिता यादव
- आयुष्य ज्योति गोल्ड मेडल (बीएससी नर्सिंग) : अमृता

अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आज

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी का दूसरा दीक्षांत समारोह में बुधवार को होगा। समारोह को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समारोह यूनिवर्सिटी परिसर स्थित धनवंतरी ऑडिटोरियम चरक सम्मेलन केंद्र में होगा। इसमें प्रदेश भर के एमबीबीएस, एमडी, एमएस, नर्सिंग व पैरामेडिकल कोर्स के मेधावियों को उपाधि देकर सम्मानित किया जाएगा। 55 मेधावियों को गोल्ड व सिलवर मेडल से नवाजा जाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मंच पर 25 मेधावियों को मेडल से सम्मानित करेंगी। कुलपति डॉ. अमित देवगन ने बताया कि दीक्षांत समारोह में छात्राओं का दबदबा देखने को मिलेगा। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 69 प्रतिशत छात्राएं हैं। छात्रों की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत है। 11053 छात्र-छात्राओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 7618 छात्राएं और 3435 छात्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। छात्राओं की बढ़ती भागीदारी चिकित्सा शिक्षा में महिलाओं की मजबूत उपस्थिति का सकारात्मक संकेत है। भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाएगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि सुबह 10 बजे से दीक्षांत समारोह शुरू होगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। मुख्य अतिथि सर्जन वाइस एडमिरल कृष्ण एम अधिकारी होंगे। समारोह में एमबीबीएस, एडीएस, एमडी, एमएस, डीएम, एमसीएच, पीजी डिप्लोमा मेडिसिन, बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बीएससी नर्सिंग, एनपीसीसी, एमएससी नर्सिंग, बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजिस्ट, बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी, बीएससी लैब टेक्नीशियन, पैरामेडिकल पोस्ट ग्रेजुएट के छात्र-छात्राओं को डिग्री आवार्ड की जाएगी।

विस चुनाव में जीत की राजनीति होगी बूथ केंद्रित

भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन ने अमरोहा में पदाधिकारियों को किया सम्बोधित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को अमरोहा में मुरादाबाद कमिश्नरी के जिलाध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों, अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारियों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं, मंडल अध्यक्षों, क्षेत्रीय पदाधिकारियों तथा अमरोहा जिले के शक्ति केन्द्र संयोजको के साथ अलग-अलग संवाद बैठको को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव के विजय की रणनीति बूथ केन्द्रित होगी।

उन्होंने कहा कि बूथ जीता तो चुनाव जीता के फॉर्मूले पर काम करते हुए प्रत्येक बूथ को सुदृढ़ बनाया जाए ताकि वह भाजपा की विजय का अभेद्य दुर्ग बन सके। उन्होंने कहा कि मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक तथा बूथ अध्यक्ष की त्रिवेणी के द्वारा निरंतर संवाद, समन्वय और योजनाबद्ध कार्यप्रणाली ही मजबूत बूथ का आधार बनेगी। मतदाताओं से संपर्क तथा संगठन के नियमित कार्यक्रमों को गति देकर ऐसी अभेद्य व्यूह रचना तैयार करनी होगी, जिससे विपक्ष का प्रत्येक षडयंत्र विफल हो और भाजपा का विजय परचम पूरे प्रदेश में फहराए। धर्मपाल सिंह मुरादाबाद कमिश्नरी के अमरोहा, बिजनौर, संभल, रामपुर एवं मुरादाबाद के पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बूथ और मंडल के बीच शक्ति केंद्र सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जो संगठनात्मक गतिविधियों, अभियानों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन की धुरी है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान पदाधिकारियों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तथा सभी कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए संगठन की प्रत्येक इकाई को सक्रिय बनाया जाएगा। शक्ति केंद्र संयोजकों से संवाद करते हुए धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बैठक में डायरी के साथ उपस्थित होने की कार्य संस्कृति विकसित करे तथा बूथ स्तर पर आयोजित बैठकों एवं गतिविधियों का सम्पूर्ण विवरण नियमित रूप से रजिस्टर में अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि नियमित समीक्षा, सटीक योजना और सतत फॉलोअप ही संगठन की मजबूती का आधार है। प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को उसकी क्षमता, योग्यता एवं अनुभव के अनुरूप दायित्व सौंपा जाए।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर जेपीसी ने यूपी में शुरू किया संवाद

लखनऊ। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 तथा संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सोमवार को लखनऊ में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद किया। गोमतीनगर स्थित होटल ताज में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा सहित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने अपने सुझाव समिति के समक्ष रखे।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद पी.पी. चौधरी की अध्यक्षता वाली 39 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर उत्तर प्रदेश आई है। समिति का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े संवैधानिक, प्रशासनिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त करना है। समिति इस दौरान जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग-व्यापार संगठनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से भी संवाद कर रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि एक साथ चुनाव कराए जाने से जनता, जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन सभी को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और जनप्रतिनिधियों का काफी समय चुनावी गतिविधियों में व्यतीत हो जाता है।

विश्व युवा कौशल दिवस को लेकर हुई समीक्षा बैठक

कौशल से स्वावलंबन, स्वावलंबन से सम्मान कार्यक्रम आज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आगामी 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कौशल से स्वावलंबन, स्वावलंबन से सम्मान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को विधानसभा सचिवालय में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस का यह आयोजन प्रदेश के युवाओं के कौशल, प्रतिभा एवं आत्मनिर्भरता का उत्सव है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करे। बता दें कि विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बने 400 सफल युवाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रदेश के युवाओं को कौशल, नवाचार, उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। बैठक में प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशक अभिषेक सिंह, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दो पक्षों में मारपीट ,दोनों तरफ से रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के अन्दपुर देव गांव में रहने वाले दो पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक पक्ष की महिला कामिनी पत्नी शिवचरण ने आरोप लगाया है कि उसके पति शिवचरण सोमवार तेल लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के दुर्गेश, बृजेश, शनि, विशाल सहित अन्य लोगों ने उन्हें घेरकर मारपीट शुरू कर दी। सूचना मिलने पर वह परिजनों के साथ मौके पर पहुंचीं तो बीच-बचाव के दौरान उसे और उसकी ननद पिंकी को भी चोटें आईं। कामिनी का कहना है कि वह आठ माह की गर्भवती है और आरोपियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की, गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं दूसरे पक्ष के नितिश शर्मा ने आरोप लगाया कि रात 11 बजे वह अपने चाचा के घर से अपने घर जा रहा था। तभी शिवचरण उसे गाली गलौज करने लगा आरोप है कि अपनी बहनों को बुलाकर नितिश पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने गला दबाया, जिससे उसके गले पर नाखून के निशान आ गए और उसके साथ मारपीट कर बाद में जान से मारने की धमकी दी। फिलहाल बंथरा पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी सवार ने महिला को मारा टक्कर ,घायल रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक स्कूटी सवार ने महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया। इस मामले में महिला ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के अमौसी निवासी महिला अर्चना सैनी के मुताबिक बीती 4 जुलाई 2026 की रात करीब 10:30 बजे वह सड़क किनारे खड़ी थीं। आरोप है कि तभी स्कूटी (यूपी 35 बीएच 0463) का चालक गलत दिशा से तेज गति और नशे की हालत में आया और उनके जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अर्चना के दाहिने कंधे में फ्रैक्चर हो गया और सिर में गंभीर चोट लगी। पीड़िता का कहना है कि चोट लगने के बाद उसे खून की उल्टियां भी हुईं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपना समुचित इलाज नहीं करा पा रही है।

आज सजेगा कौशल रोजगार व नवाचार का महाकुंभ

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ, 'कौशल सारथी' और 'कौशल सेतु' मॉड्यूल होंगे लॉन्च
- 21 युवा आइकॉन, उत्कृष्ट आईटीआई, प्रशिक्षण संस्थान और एजेंसियां होंगी सम्मानित

लखनऊ। विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर 15 जुलाई को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाले इस कार्यक्रम में कौशल विकास, रोजगार, उद्यमशीलता और उद्योगों से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को आधुनिक कौशल, बेहतर रोजगार अवसर और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करना है।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री द्वारा कौशल विकास प्रदर्शनी के उद्घाटन एवं अवलोकन से होगी। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों, आईटीआई और प्रशिक्षार्थियों द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और कौशल आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव भी जानेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ कई महत्वपूर्ण एमओयू का आदान-प्रदान किया जाएगा। इन समझौतों का उद्देश्य प्रशिक्षण व्यवस्था को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और प्रशिक्षित युवाओं को बेहतर प्लेसमेंट उपलब्ध कराना है। डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री 'कौशल सारथी' और 'कौशल सेतु' मॉड्यूल का शुभारंभ करेंगे। 'कौशल सारथी' पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के सभी प्रशिक्षण केंद्रों का वर्षवार विवरण ऑनलाइन उपलब्ध होगा, जबकि 'कौशल सेतु' प्रशिक्षण प्रदाताओं के ऑनलाइन आबद्धीकरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और तकनीक आधारित बनाएगा।मुख्यमंत्री इस अवसर पर 'कौशलम' पुस्तिका का विमोचन करेंगे, जिसमें विभाग की उपलब्धियों, विशेष अभियानों और कौशल विकास से जुड़े प्रमुख कार्यों का संकलन होगा। साथ ही 'एम्प्लॉयबिलिटी व सॉफ्ट स्किल्स मैनुअल' भी जारी किया जाएगा, जिससे प्रशिक्षार्थियों में व्यावहारिक दक्षता, व्यक्तित्व विकास और उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कौशल विकसित किए जा सकेंगे। कार्यक्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित 'अर्न व्हाइल लर्न' योजना पर आधारित विशेष वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा।

मां ने अपने बेटे पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के भटगांव स्थित हसन खेड़ा में रहने वाली बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता फूलदुलारी, पत्नी स्वर्गीय कृपाल रावत का कहना है कि उनका विवाहित बेटा आशीष रावत नशे का आदी है। अलग मकान में रहने के बावजूद वह आए दिन संपत्ति में मनमाना हिस्सा मांगते हुए गाली-गलौज कर उन्हें परेशान करता है। आरोप है कि 13 जुलाई को गाय खोलने का विरोध करने पर आशीष ने उनके साथ मारपीट कर दी, जिससे उन्हें चोटें आईं। पीड़िता का कहना है कि उनके ऊपर अभी एक पुत्र और एक पुत्री के विवाह की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। बंथरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अखिलेश ने की सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोनम वांगचुक से अति विनम्र आग्रह और सविनय अपील की है कि वो अपना अनशन तोड़ दें। उनका जीवन समस्त विश्व के लिए अनमोल है क्योंकि उसमें मानवता और पर्यावरण के लिए उतनी ही प्रतिबद्धता है जितनी की लोकतंत्र के लिए। उन्होंने कहा कि जिस भाजपा सरकार को जगाने के लिए वो आमरण अनशन पर हैं वो तो एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र है, उसकी असंवेदनशीलता और हृदयहीनता में किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है। भाजपाइयों से सदाचार और हृदय-परिवर्तन की कोई भी अपेक्षा निरर्थक है। भाजपाइयों के लिए किसी के जीवन का कोई भी मोल नहीं है। उनके लिए धन ही प्रधान है। वो भ्रष्टाचार से कमाए पैसों के घमंड में चूर हैं। उनमें बदलाव की आशा करना ही व्यर्थ है। जिनमें अहंकार होता है उनमें परिष्कार नहीं होता। सत्याग्रह का महत्व वो क्या जाने जो सत्ताग्रह के लालच में मंदिर तक लूट ले रहे हैं। उन्हें न युवाओं के भविष्य से कुछ लेना-देना है, न उनके माता-पिता और अन्य परिजनों के सपनों से, वो तो खुदगर्ज लोग हैं।

वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, पांच बाइके बरामद

दो शातिर गिरफ्तार, तीसरे साथी की तलाश में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

पुलिस की गिरफ्त में वाहन चोर आरोपी

लखनऊ। रहीमाबाद पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी की गई पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरोह का तीसरा सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि 12 जुलाई को उपनिरीक्षक रामसेवक राणा पुलिस टीम के साथ गश्त और संदिग्धों की तलाश में थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की मोटरसाइकिलें बेचने की फिराक में दो युवक हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के सैदापुर मजरा मझगांव गदौरा निवासी राकेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राकेश ने बताया कि वह अपने साथियों सुनील और मनीष के साथ मिलकर बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने संडीला के अटवा बरी डंडा निवासी सुनील को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर इटौंजा समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई पांच मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार गिरोह का तीसरा सदस्य मनीष निवासी नवीपनाह, थाना माल, अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दहेज विवाद में दो पक्ष भिड़े, आधा दर्जन से अधिक घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दहेज विवाद को लेकर मंगलवार को रहीमाबाद क्षेत्र के अहमदाबाद कटौली गांव में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में सात लोग घायल हो गए। दोनों ने एक-दूसरे पर मारपीट और दहेज प्रताड़ना करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, दुबग्गा निवासी मोहम्मद नफीस ने तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी एमन की शादी चार मई को अहमदाबाद कटौली निवासी इमरान से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष दहेज में 10 लाख रुपये की मांग कर रहा था। इसको लेकर 28 मई को उनकी बेटी के साथ मारपीट भी की गई थी। मंगलवार को इमरान और उसकी मां ने फोन कर समझौते के लिए बुलाया। नफीस का आरोप है कि वह बेटे के साथ गांव पहुंचे तो ससुराल पक्ष के लोगों ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए।

उधर, दूसरे पक्ष के मोहम्मद शफी ने आरोप लगाया कि नफीस अपने भाई समेत कई लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। घटना में उनके पक्ष के लोग भी घायल हुए हैं।

इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संघीय ढांचे के विरूद्ध साजिश को करेंगे नाकाम : अजय राय

लखनऊ। संसद की संयुक्त संसदीय समिति के राजधानी लखनऊ में राजनीतिक दलों के नेताओं से संवाद के तहत मंगलवार को एक होटल में आयोजित बैठक में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ और वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव के सम्बन्ध में उप्र कांग्रेस कमेटी का पक्ष रखा। कांग्रेस पार्टी ने इस मौके पर 51 पेज में उल्लिखित अपने मत को समिति को सौंपा। कांग्रेस पार्टी का हमेशा से मत रहा है कि भारत का संविधान और लोकतंत्र अक्षुण्य रहना चाहिए तथा देश के संघीय ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। भारतीय संविधान द्वारा राज्यों को प्रदत्त कल्याणकारी राज्य की अवधारणा बनी रहनी चाहिए। वन नेशन-वन इलेक्शन से अधिकार एवं नियंत्रण का समावेश केन्द्रीयकृत होगा जिससे प्रेसीडेन्शियल राजनीतिक को बढ़ावा मिलने का खतरा पैदा हो सकता है। कांग्रेस पार्टी का यह भी मत रहा है कि चुनावी व्यय एवं प्रशासनिक सुविधा को कभी भी संविधान संशोधन का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए, यह संविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है। भारत विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों तथा भिन्न भाषाओं का का देश है। राज्यों की भिन्न भिन्न परिस्थितियां हैं। कानूनन एक साथ ही चुनाव कराने से तमाम असामान्य परिस्थितियां उत्पन्न होंगी जो देश के सामने एक कठिन संकट उत्पन्न करने वाला हो सकता है। प्रतिनिधिमंडल के बैठक से निकलने के बाद अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस अवधारणा के तहत हमेशा खड़ी रही है और भारत के संविधान, लोकतंत्र और संघीय ढांचे की मजबूती के लिए कार्य करती रहेगी और इसके विरूद्ध होने वाले किसी भी साजिश को नाकाम करेगी।

संक्षेप

बस में सफर कर रहे युवक के साथ की मारपीट

सुमेरपुर, उन्नाव। जनपद रायबरेली के सरेनी थाना क्षेत्र के ग्राम डूड़ी निवासी अमन त्रिवेदी ने बारा सगवर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सोमवार जनपद के भोजपुर बस स्टाप से दिल्ली जाने के लिए चौधरी बस सर्विस में बैठा था । थाना क्षेत्र के कस्बा धानीखेड़ा के पास गाड़ी रूकते ही बस में बैठे भोजपुर निवासी रोशन बाबा अपने दो अज्ञात साथियों के साथ ड्राइवर की मिली भगत से मारपीट करने लगे और चेहरे पर कड़ा मार दिया । विरोध करते हुए बस के नीचे उतर कर गाड़ी के सामने खड़ा हो गया ।ड्राइवर ने कहा कि हट जाओ नही तो गाड़ी चढ़ा देंगे ।पीड़ित की तहरीर टर पुलिस ने नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया ।थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्र ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है । जांच कर कार्रवाई की जाएगी ।

विद्युत पंखा ठीक कर रहे युवक की करंट से मौत

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज चौकी अंतर्गत झखरी गांव में सोमवार की देर शाम पंखा ठीक करते समय करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, मृतक श्याम उर्फ मामा मूल रूप से लखनऊ का निवासी था। वह अपनी बहन पार्वती और जीजा हरिकिशोर के यहां झखरी गांव में रहकर बिजली का काम करता था। रविवार को वह घर में पंखा ठीक कर रहा था। इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आम के बाग में फंदे से लटका मिला बुजुर्ग का शव, जांच में जुटी पुलिस

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के भैंसहरा गांव में मंगलवार को एक बुजुर्ग द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया। गांव निवासी 72 वर्षीय नत्थूलाल पुत्र बोड़े का शव उनके ही आम के बाग में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।जानकारी के अनुसार, सुबह ग्रामीणों की नजर आम के बाग में पेड़ से लटके शव पर पड़ी। इसकी सूचना तत्काल परिजनों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली सफीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि घटना के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार, नत्थूलाल गांव के शांत स्वभाव के व्यक्ति थे।उनकी अचानक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

'मैं हूँ बरगद का मित्र ' अभियान बना आकर्षण का केन्द्र, बच्चों ने लिया प्रकृति संरक्षण का ऐतिहासिक संकल्प

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा, विकास क्षेत्र औरास में पुलिस कंट्रोल रूम उन्नाव प्रभारी अनूप मिश्रा द्वारा संचालित बरगद बचाओ महा अभियान के तहत आयोजित ₹ वृक्षजल कथा ₹ एवं ₹ ₹मैं हूँ बरगद का मित्र₹ अभियान पूरे आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनूप मिश्र 'अपूर्व' और शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा के नेतृत्व में बच्चों ने स्वयं को बरगद का मित्र घोषित करते हुए प्रकृति संरक्षण का ऐतिहासिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं बरगद के पौधे के पूजन से हुआ। इसके बाद अनूप मिश्र ने हरी झंडी दिखाकर जनजागरूकता रैली को रवाना किया। ₹बरगद हम बचाएंगे, बरगद हम लगाएंगे₹ के नारों और जागरूकता तख्तियों के साथ निकली रैली ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

रैली के बाद आयोजित ₹वृक्षजल कथा₹ में बच्चों को वृक्ष, जल और जीवन के गहरे संबंध से परिचित कराया गया। इसके साथ आयोजित ₹मैं हूँ बरगद का मित्र₹ सेल्फी स्टैंड बच्चों के आकर्षण का केन्द्र रहा। पौधों के साथ तस्वीरें लेकर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुँचाने का संकल्प लिया। वहीं ₹बरगद प्रहरी हस्ताक्षर अभियान₹ में बच्चों, शिक्षकों और अतिथियों ने हस्ताक्षर कर बरगद संरक्षण एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण का सामूहिक संकल्प दोहराया।

पॉडकास्ट संवाद में अनूप मिश्र और प्रदीप कुमार वर्मा ने बच्चों के साथ पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की तथा छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की ईको टीम और पर्यावरण के प्रति सक्रिय बच्चों को सम्मानित किया गया। शिक्षक इंद्रपाल को हरित परिसर के लिए सम्मानित किया गया, जबकि प्रदीप कुमार वर्मा को ₹बरगद बचाओ महाअभियान₹ को अधिकाधिक विद्यालयों तक विस्तार देने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अपने संबोधन में अनूप मिश्र ने शिक्षक प्रदीप वर्मा की मेहनत, विद्यालय की स्वच्छता, हरियाली और नवाचारों की सराहना करते हुए इसे जनपद के प्रेरणादायी विद्यालयों में शामिल बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार वर्मा ने किया। रमनजीत कौर, इंद्रपाल सहित समस्त विद्यालय परिवार की सहभागिता रही। आयोजन ने सिद्ध किया कि जब बच्चे स्वयं ₹बरगद का मित्र₹ बनने का संकल्प लेते हैं, तभी पर्यावरण संरक्षण एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्थायी जनचेतना का रूप लेता है।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का गर्मजोशी से स्वागतः शिक्षक संघ ने समस्याओं के त्वरित निराकरण की जताई उम्मीद

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ब्लॉक संसाधन केंद्र में मंगलवार को नवागत खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) संजय कुमार का भव्य स्वागत किया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ, बांगरमऊ के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अधिकारी का अभिनंदन किया।

शिक्षकों ने समस्याओं से कराया अवगत

स्वागत समारोह के उपरांत शिक्षक संघ के सदस्यों ने नवनियुक्त बीईओ संजय कुमार के समक्ष अपनी मांगों और समस्याओं को प्रमुखता से रखा। शिक्षकों ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने और शिक्षकों के हितों से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण पर विस्तृत चर्चा की। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

शिक्षकों के मान-सम्मान के लिए है संकल्पितः रामचंद्र सिंह

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ बांगरमऊ के ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र सिंह ने कहा कि संघ शिक्षकों के मान-सम्मान और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आशा जताई कि नवागत बीईओ के कुशल मार्गदर्शन में बांगरमऊ ब्लॉक में शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार आएगा।

कार्यक्रम में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अभिनंदन कार्यक्रम में शिक्षक संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इरशाद अली, कोषाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, कार्यकारी महामंत्री दिनेश कुमार वर्मा, संयुक्त महामंत्री करण सिंह, उपाध्यक्ष मनोज शंकर, अमर सिंह, जितेंद्र सिंह और जिला संगठन मंत्री बृजेंद्र कुमार शामिल थे।

एक पेड़ मां के नाम के तहत बीईओ ने किया पौधारोपण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकासखंड सिकंदरपुर कर्ण के अंगेजी मध्यम प्राथमिक विद्यालय अचलगंज द्वितीय मं बीईओ अनीता शाह ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधे रोपकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए।उन्होंने बच्चों से भी पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के उपरांत बीईओ ने विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों, पठन-पाठन व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका प्रतिभा मिश्रा,धून प्रसाद,किरण यादव सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प दिलाकर किया गया।

युवक लापता, लखनऊ जाने के लिए निकले थे घर से; परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आवास विकास कॉलोनी निवासी एक युवक के अचानक लापता होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। युवक के परिजनों ने गुमशुदगी की सूचना देते हुए प्रशासन और आमजन से मदद की गुहार लगाई है।

क्या है पूरा मामला

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, आवास विकास कॉलोनी निवासी संदर्भ कुमार मिश्रा (उम्र 38 वर्ष) बीते 9 जुलाई 2026 को अपने निजी कार्यों के सिलसिले में लखनऊ के लिए निकले थे। युवक ने घर से निकलते समय बताया था कि वह जल्द ही वापस लौट आएंगे, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है।

संपर्क के सभी प्रयास विफल

लापता होने के बाद से ही परिजन लगातार उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मोबाइल नंबरों 9838326513 और 8299546706 पर कई बार फोन मिलाया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा है, जिससे अनहोनी की आशंका को लेकर परिवार में गहरा तनाव और चिंता व्याप्त है।

आमजन से सहायता की अपील

परिजनों ने पुलिस को सूचना देने के साथ-साथ सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर भी लोगों से मदद मांगी है। उन्होंने सभी से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को संदर्भ कुमार मिश्रा के संबंध में कोई जानकारी मिले या उन्होंने उन्हें कहीं देखा हो, तो कृपया तत्काल निकटतम पुलिस थाना या उनके परिजनों से संपर्क करें।

आपकी एक छोटी सी जानकारी इस परिवार के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। कृपया इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करें ताकि युवक की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

शारदा नहर में स्नान कर रहा युवक पानी में डूबा हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव घूरखेत निवासी 25 वर्षीय युवक मंगलवार दोपहर शारदा नहर में नहाते समय डूब गया ।साथ नहा रहे साथियों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन उसे पानी से निकालकर सीएचसी बिछिया लेकर पहुंचे। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया ।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव घूरखेत निवासी खजान का 25 वर्षीय बेटा राहुल हरियाणा में मजदूरी करता था ।कुछ दिन पूर्व गांव आया था ।मंगलवार दोपहर खेत में धान की रोपाई करने जाने की बात कहकर घर से निकला था ।दोपहर लगभग तीन बजे गांव के कुछ युवकों ने राहुल के शारदा नहर में नहाने के दौरान अधिक गहराई में चले जाने पर डूब जाने की परिजन को जानकारी दी ।जिस पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे पानी से निकालकर बिछिया सीएचसी पहुंचे। जहां डाक्टर ने मृत

घोषित कर दिया ।परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।राहुल की मौत से मां सोनी, भाई संजय बेहाल रहे। कोतवाल भवन सिंह मौर्य ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा के उफान से डौडियाखेड़ा के प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर पर कटान का खतरा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश तथा पश्चिमी राज्यों के बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण गंगा नदी उफान पर है। बीते 24 घंटे में जलस्तर में हुई अचानक वृद्धि से सुमेरपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम डौडियाखेड़ा स्थित प्राचीन श्री मनकामेश्वर मंदिर के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। गंगा की तेज धारा और कटान मंदिर तक पहुंच गई है, जिससे तटवर्ती इलाकों के बाशिंदों की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।

इस प्राचीन धरोहर को कटान से बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही डौडियाखेड़ा घाट पूरी तरह से जलमग्न होने लगा है। क्षेत्र की इस अमूल्य धरोहर को बचाने के लिए 'मंदिर बचाव अभियान' चलाया जा रहा है। नदी की कटान से मंदिर को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए प्रशासन ने भी मोर्चा संभाल लिया है।

प्रशासन द्वारा मंदिर के बगल में कटान वाले स्थानों पर लगभग 6,000 से 7,000 बालू की बोरियां (सैंडबैग) लगाई गई हैं, ताकि पानी के सीधे प्रहार और मिट्टी के कटान को रोका जा सके।

भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस ऐतिहासिक मंदिर को बचाने के लिए जनप्रतिनिधि भी लगातार सक्रिय हैं। उन्नाव के जिला पंचायत सदस्य और जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह ने करीब एक माह पूर्व उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा था।

सौंपे गए ज्ञापन में बाबा मनकामेश्वर धाम मंदिर का तत्काल जीर्णोद्धार कराने और गंगा नदी के कटान को रोकने के लिए प्रभावी व स्थायी कार्रवाई करने का विशेष आग्रह किया गया था।

फिलहाल, बालू की बोरियों के सहारे कटान रोकने का अस्थाई 'बचाव अभियान' जारी है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि भविष्य में इस प्राचीन धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए यहां पत्थरों का पक्का तटबंध (बोल्डर पिचिंग) बनवाया जाए।

राशन लेने निकले युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर बाद साइकिल से राशन लेने के लिए निकला युवक लापता हो गया मंगलवार की सुबह कुलहा अटौरा चंपा खेडा सम्पर्क मार्ग के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में रक्तरंजित अवस्था में शव पड़ा देख ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को सूचना दी रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी मौके पर पहुंची पुलिस ने सीओ बांगरमऊ को घटना से अवगत कराते हुए जांच पड़ताल करते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतक के परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं वहीं पुलिस मामले को हादसा बता रही है अभी मृतक परिजनों ने तहरीर नही दी है। थाना क्षेत्र के दिलीप खेडा गांव निवासी उमेश पुत्र स्व जगमोहन 46 सोमवार को घर से साइकिल लेकर कुलहा अटौरा स्थित सरकारी राशन की दुकान पर राशन लेने गया था लेकिन इसके बाद वह घर नही पहुंचा मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने सम्पर्क मार्ग के किनारे नेकराम पुत्र अयोध्या प्रसाद के खेत में रक्तरंजित अवस्था में शव पड़ा हुआ मिला मृतक के चेहरे व पीठ पर

चोट के निशान मिले मृतक की चप्पलें गमछा और कैप थोड़ी दूर पर पडी थी और साइकिल पुलिया के पास पडी मिली जिस पर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं घटना की सूचना पर सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी पहुंचे और आवश्यक दिशा निर्देश दिए पुलिस मामले को दुर्घटना मान रही है कि किसी वाहन की टक्कर से मौत हो गयी मृतक की एक बेटी शिवानी तीन बेटे शुभम, जयवीर, साकेत हैं पत्नी उमा देवी पति की मौत से आहत है मृतक खेती किसानी करता था इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह का कहना है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत होने की सम्भावना है साइकिल मौके से गायब थी जिसकी तलाश की जा रही है तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संगीतमय सुंदर कांड पाठ व कथक नृत्य का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। भगवन्तनगर कस्बे के निराला इण्टर कालेज पतारी मे मंगलवार को संगीतमय सुन्दर काण्ड पाठ व कथक नृत्य का आयोजन किया गया। सुंदरकांड उपरान्त विद्यालय संस्थापक स्व०मनबोधन लाल बाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। विद्यालय के संरक्षक सुन्दर लाला बाजपेई ने कहा कि विद्यालय सरस्वती का मन्दिर होता है ।इस लिए सत्र के शुभारंभ पर भगवान की स्तुति का आयोजन किया गया है । हम सब का कर्तव्य है विद्यालय मे शिक्षा का ऐसा वातावरण बनाया जाए कि बच्चे शिक्षा के साथ साथ संस्कारित भी हो।जिससे एक स्वच्छ समाज का निर्माण किया जा सके ।जनपद रायबरेली से पधारे अयोध्या प्रसाद मिश्रा की टीम ने कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ के साथ किया ।सुन्दर काण्ड समापनोपरान्त कथक नृत्य प्रस्तुत किया ।जिसका उपस्थित लोगों ने आनन्द उठाया ।आए हुए लोगों के प्रति आभार विद्यालय के प्रबंधक डा राघवेंद्र बाजपेई ने व्यक्त किया ।इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित मुख्य अतिथियों मानवेन्द्र सिंह , भाजपा नेता आंशू बाजपेई सहित अन्य लोगों को अंग वस्त्र व प्रतिक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया ।इस अवसर पर हरिनाथ द्विवेदी , शिवनाथ सिंह, आनन्द मोहन द्विवेदी , समरेन्द्र सिंह , राज बहादुर सिंह , योगेंद्र सिंह , महेश सिंह , बृज किशोरा तिवारी अंकित अवस्थी मोहित दीक्षित सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

सरैया क्रॉसिंग पर गेट बूम फेल होने से दो घंटे लगा भीषण जाम, ग्रामीणों ने एंबुलेंस को हाथ से उठाकर निकाला

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग पर स्थित सरैया रेलवे क्रॉसिंग पर मंगलवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते यातायात पूरी तरह ठप हो गया। रेलवे गेट का बूम अचानक खराब होने से सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। इस दौरान मरीजों को ले जा रही एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई, जिसे स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने मशक्कत कर हाथ से गेट उठाकर रास्ता दिया।

जाम में फंसी एंबुलेंस, ग्रामीणों ने दिखाई मानवता

जानकारी के अनुसार, जाम के दौरान कानपुर की ओर मरीज लेकर जा रही एक एंबुलेंस फंस गई। मरीज की नाजुक स्थिति को देखते हुए वहां मौजूद स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता दिखाई। सभी ने मिलकर गेट बूम को मैनुअल तरीके से ऊपर उठाया और एंबुलेंस को सुरक्षित रेलवे ट्रैक पार कराया। एंबुलेंस के निकलते ही राहत की सांस ली गई।

रेलवे कर्मचारियों की मशक्कत से बहाल हुआ यातायात

गेट बूम खराब होने की सूचना मिलते ही तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया। दोपहर करीब एक बजे तक गेट ठीक हो सका, जिसके बाद वाहनों का आवागमन धीरे-धीरे सामान्य हुआ। जब तक तकनीकी समस्या पूरी तरह हल नहीं हुई, तब तक रेलवे कर्मचारी मैनुअल तरीके से फाटक का संचालन कर सुरक्षा सुनिश्चित करते रहे।

ट्रेनों की गति भी की गई धीमी

इस तकनीकी गड़बड़ी का असर रेल यातायात पर भी पड़ा। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इस रूट से गुजरने वाली ट्रेनों की गति को नियंत्रित (धीमा) करने के निर्देश दिए थे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल गेट बूम की तकनीकी खराबी को दुरुस्त कर दिया गया है। भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए क्रॉसिंग पर लगे उपकरणों की सघन जांच के आदेश दिए गए हैं ताकि राहगीरों को दोबारा ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

मंदिर निर्माण में सहयोग कर रहे युवक ने मारपीट करने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव रानीपुर निवासी रोहित कुमार पुत्र श्री नारायण गौतम ने थाने में प्रार्थना पत्र लेकर गांव के ही दो युवकों के विरुद्ध पूर्व में गांव में मंदिर निर्माण को लेकर चल रही खुन्नस बस गाली गलौज मारपीट तथा चार पहिया वाहन से टक्कर मारने का आरोप लगाया है।

रोहित कुमार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 12 जुलाई को अपने दोस्तों के साथ घर निर्माण की सामग्री खरीदने बीघापुर बाजार जा रहे थे रास्ते में गांव के ही निवासी रमजानी पुत्र रजा व फुरकान पुत्र मुन्नू ने रानीपुर रूझेई के बीच रास्ते में दोनों लोगों ने बाइक में चार पहिया वाहन से टक्कर मार दी टक्कर से वह तथा उसके साथी अनुज कुमार पुत्र सूरजू प्रसाद, अंशु पुत्र राकेश सहित सड़क पर गिर पड़े उन्होंने अपनी गाड़ी से लोहे की रॉड निकाल कर हमला बोल दिया ।दोनों लोगों ने मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों के साथ गलियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी ।दोनों युवकों का कहना था कि गांव में शिव मंदिर निर्माण में मुख्य भूमिका निभा रहे थे। घर पहुंचा तो उपरोक्त लोग घर में घुसकर मेरे व मेरे माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी हैं। थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार कटियार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

खेत से डंपर निकालने को लेकर हुआ विवाद चाकू से हमला दो कि हालात गंभीर

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अयोध्याखेड़ा मजरा बरवाकला गांव में खेत से मिट्टी का डंपर निकालने को लेकर हुए विवाद में दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया गया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक का इलाज लखनऊ ट्रॉमा सेंटर और दूसरे का जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी प्रदीप कुमार पुत्र रामभजन यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार को गांव के ही नीरज पुत्र जगदीश और जगदीश पुत्र स्वर्गीय रामरतन यादव उनके खेत से मिट्टी का डंपर निकलवा रहे थे।इसी दौरान उनके चाचा के पुत्र जयकुश यादव ने डंपर निकालने का विरोध किया। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी और विपक्षियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।प्रदीप के अनुसार, विरोध करने पर आरोपियों ने जयकुश पर चाकू से हमला कर दिया। वह बचाने पहुंचे तो आरोप है कि विपक्षी घर में घुस आए और उनके साथ भी मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद दोनों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौरावां ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जयकुश का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, जबकि प्रदीप की हालत गंभीर होने पर उन्हें पहले हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया था, लेकिन परिजन उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां उनका उपचार जारी है।इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ निगला

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर अज्ञात कारणों के चलते युवक, युवती समेत तीन लोगों ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिससे उनकी हालत बिगड गई। परिजनों ने आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फतेहपुर 84 थाना अंतर्गत ग्राम माखन खेड़ा निवासी अनित की पत्नी संगीता ने अज्ञात कारण के चलते सल्फास की गोली निगल ली। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अतरधनी निवासी राजू की पुत्री नेहा ने भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिससे उसके मुंह से झाग निकलने लगा। फतेहपुर 84 थाना क्षेत्र ग्राम कुंडा निवासी दीपक पुत्र अनूप ने भी अज्ञात कारण के चलते विषपान किया। जिससे वह अचेत हो गया। परिजन सभी को आनन फानन यहाँ के सरकारी अस्पताल लाए। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। ***इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है किअनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बेड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव जोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए, तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। जरूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

संक्षेप

बारिश के बाद सर्पदंश से 24 घंटे में 5 शिकार

जगदीशपुर में सीएमओ ने झाड़फूंक से बचने और तुरंत अस्पताल जाने की अपील की

अमेठी , जगदीशपुर क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि हुई है। बीते 24 घंटों के दौरान विभिन्न गांवों में खेत और घर में काम कर रहे पांच लोगों को सांप ने डस लिया। सभी पीड़ितों को उपचार के लिए जगदीशपुर ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर विकासखंड के सिंदुरवा गांव निवासी सरिता कुमारी (22) शनिवार सुबह धान की रोपाई करते समय सर्पदंश का शिकार हुईं। इसी तरह टांडा गांव की मनीषा (30) को भी खेत में काम करते वक्त सांप ने डस लिया। दोनों को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। जगदीशपुर निवासी प्रेम प्रकाश और मुबारकपुर की सूफिया को भी सर्पदंश के बाद ट्रॉमा सेंटर लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनके परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए। इससे पहले, दो अन्य मरीजों को भी प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया था। एक अन्य घटना में, जामों थाना क्षेत्र के गोरियाबाद (पूरे ठकुरन) निवासी सायरा बानो (30) शुक्रवार रात घर में खाना बनाते समय सर्पदंश का शिकार हुईं। उनके परिजनों ने पूरी रात झाड़फूंक में बिताई, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। शनिवार सुबह उन्हें तत्काल जगदीशपुर ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी स्नेक वेनम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सर्पदंश होने पर झाड़फूंक या घरेलू उपचार के बजाय मरीज को तुरंत निकटतम सरकारी अस्पताल पहुंचाएं, ताकि समय पर उपचार देकर जान बचाई जा सके।

व्यवसायी से मारपीट, जान से मारने की धमकी

एसपी के आदेश पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमेठी ,एक व्यवसायी से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संग्रामपुर थाने में की गई है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि आरोपी पहले भी कई बार फोन पर धमकी दे चुके हैं और उनके पास इसका ऑडियो साक्ष्य भी मौजूद है। गंगौली निवासी अजीत द्विवेदी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 जुलाई को वह कालिकन धाम में आयोजित भंडारे से लौट रहे थे। दोपहर करीब दो बजे जब वह विशेषरगंज स्थित संग्रामपुर तिराहे पर पहुंचे, तभी बेदा मजरे पुन्नपुर निवासी श्रीराम पांडेय उर्फ डब्लू पांडेय, अनिल पांडेय और बेभौरा गोरखापुर निवासी आशीष ओझा ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि तीनों आरोपियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट की। इस दौरान शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

सम्राट अशोक स्तंभ हटाए जाने के विरोध में पुनर्स्थापना की मांग

मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंप कर लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद (अखंड भारत), जनपद बहराइच के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार मौर्य के नेतृत्व में जनपद मुख्यालय के मोहल्ला गुदड़ी चौराहा से हटाए गए सम्राट अशोक स्तंभ (अशोक लाट) की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद को ज्ञापन सौंपा गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार मौर्य ने बताया कि स्थानीय सभासद द्वारा लगभग छह माह पूर्व गुदड़ी चौराहा पर सम्राट अशोक स्तंभ की स्थापना कराई गई थी। कुछ लोगों द्वारा उस स्थान पर कूड़ा-करकट फेंके जाने की समस्या को देखते हुए दिनांक 03 जुलाई 2026 को प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद, बहराइच द्वारा नगर मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर नियमित साफ-सफाई एवं कूड़ा निस्तारण की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की गई थी। कूड़ा निस्तारण की समस्या का समाधान करने के बजाय प्रशासन द्वारा सम्राट अशोक स्तंभ को ही हटवा दिया गया, जिससे बहुजन समाज सहित अनेक नागरिकों में गहरा आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त है। आशीष कुमार मौर्य ने कहा कि सम्राट अशोक स्तंभ केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, शांति, न्याय, समरसता और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है। ऐसे राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक महत्व के प्रतीक को हटाया जाना जनभावनाओं को आहत करने वाला कदम है।

प्रगतिशील विश्व मौर्य परिषद ने जिला प्रशासन से मांग की है कि हटाए गए सम्राट अशोक स्तंभ को पुनः उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थापित कराया जाए। यदि किसी प्रशासनिक अथवा विशेष परिस्थिति के कारण ऐसा संभव न हो, तो वैकल्पिक रूप से पानी टंकी चौराहा अथवा झींगाघाट स्थित आशीर्वाद एकेडमी स्कूल (पाकड़िया पेड़ के समीप) के सामने किसी उपयुक्त एवं सम्मानजनक स्थान पर एक सप्ताह के भीतर सम्राट अशोक स्तंभ की पुनर्स्थापना सुनिश्चित की जाए।

परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उचित कार्यवाही नहीं की जाती है, तो जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस मौके पर संतोष कुमार मौर्य एडवोकेट अर्जुन पटेल लोकेश मौर्य, जिला प्रभारी धनंजय मौर्य, अभय प्रकाश नारायण मौर्य, शिव कुमार, आदर्श प्रताप मौर्य, संत कुमार, प्रिंस सिंह पटेल, सर्वेश कुमार मौर्य, मनीष गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

एसपी ने चलाई तबादला एक्सप्रेस, क्षेत्र के कई थाना अध्यक्षों के कार्यक्षेत्र में हुआ बदलाव

हरेंद्र मिश्रा रुपईडीहा तो ब्रह्मा गोंड बने थाना अध्यक्ष मोतीपुर

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। एसपी द्वारा चलाई गई तबादला एक्सप्रेस से जहां पांच थाना अध्यक्षों के हाथों से थानेदारी की कुर्सी छिन गई है वहीं कई अन्य के कार्यक्षेत्र में बदलाव हुआ है। इसके साथ ही पुलिस लाइन तथा चौकियों पर इंचार्ज रहे उप निरीक्षकों को थाना अध्यक्ष बनाया गया है।पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए तेरह निरीक्षक व उप निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया है। जिसमें ब्रह्मा गोंड को थाना अध्यक्ष मोतीपुर बनाया गया है, वहीं मोतीपुर में तैनात थाना अध्यक्ष आनंद चौरसिया का तबादला कर दिया गया है और उन्हें एसपी का जनसंपर्क अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही नानपारा चौकी प्रभारी राम गोविंद वर्मा को सुजौली थाना अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं थाना विशेश्वरगंज के धनुही चौकी इंचार्ज यतीद्र सिंह को मुर्तिहा का थाना अध्यक्ष बनाया गया है। थाना अध्यक्ष रहे सुजौली चंद्रप्रकाश शर्मा को अपराध शाखा भेजा गया है। रुपईडीहा थाना अध्यक्ष रमेश सिंह रावत को वाचख पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। थाना रानीपुर में तैनात रहे हरेंद्र मिश्रा को रुपईडीहा का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। सोशल मीडिया सेल में रहे जितेंद्र यादव को नवाबगंज का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। कोतवाली मुर्तिहा में तैनात रहे रामनरेश यादव को प्रभारी आईजीआरएस की जिम्मेदारी सौंप गई है। वही थाना नवाबगंज में तैनात रहे राम शंकर यादव को प्रभारी डीसीआरबी बनाया गया है। बड़े पैमाने पर हुए फेर बदल से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पांच थाना अध्यक्षों के हाथों से पुलिस अधीक्षक ने थानेदारी छीन कर उन्हें पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

सूत्रों की माने तो अभी काफी संख्या में चौकी इंचार्ज सहित अन्य पुलिस कर्मियों के भी तबादले होने हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्य क्षेत्र में बदलाव किए गए हैं जिससे जिले की कानून व्यवस्था और भी चुस्त-दुरुस्त होगी।

एक पेड़ माँ के नाम थीम पर वृक्षारोपण

एसपी के नेतृत्व में नवीन पुलिस लाइन में सैकड़ों पौधे लगाए गए

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 अभियान के तहत ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ थीम पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के नेतृत्व में नवीन पुलिस लाइन में सैकड़ों पौधे लगाए गए। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने नवीन पुलिस लाइन में पौधा लगाकर किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को पर्यावरण बचाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। एसपी ने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करे ।वृक्षारोपण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, सीओ लाइन श्वेताभ भास्कर, प्रतिसार निरीक्षक राजेन्द्र कुमार सहित जिले के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी, महिला पुलिसकर्मी और अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने उत्साह के साथ पौधरोपण किया। पुलिस लाइन परिसर, बैरक और परेड ग्राउंड के आसपास छायादार, फलदार और औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने माँ के नाम पर पेड़ लगाने का संकल्प भी लिया।

पौधारोपण कर प्रकृति प्रेमी मिथिलेश जायसवाल ने मनाया जन्मदिन

श्री कृपाराम जन जागृति हाई स्कूल में आयोजित हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित है मिथिलेश

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुलरा के मजरा भज्जापुरवा निवासी प्रकृति प्रेमी गौरैया संरक्षक मिथिलेश जायसवाल के जन्मदिन पर तहसील नानपारा क्षेत्र में स्थित श्री कृपाराम जन जागृति हाई स्कूल प्रांगण में पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पीपल सहजन नीम आम जामुन अमरुद महुआ बड़हर गुलमोहर आदि के पौधे शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता ने मिथिलेश द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण एवं गौरैया संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मिथिलेश दिव्यांगता के बावजूद भी समाज में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। वहीं समाजसेवी रुद्रप्रताप मिश्रा ने कहा कि दिव्यांग मिथिलेश समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम आयोजक मिथिलेश जायसवाल ने बताया कि मैं प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिन पर पौधारोपण करता हूं जिससे पर्यावरण हरा-भरा बना रहे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी यदि सभी लोग निभाएं तो हमारा पर्यावरण हरा-भरा बना रहेगा। आपको बताते चलें कि मिथिलेश जायसवाल दोनों पैरों से दिव्यांग है। दिव्यांगता के बावजूद मिथिलेश पर्यावरण गौरैया संरक्षण साहित्य सृजन आदि का कार्य बाखूबी कर रहे हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है साथ ही पड़ोसी देश नेपाल समेत तमाम संस्थाओं ने सम्मानित किया है ।इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, समाजसेवी रुद्रप्रताप मिश्रा, समाज सेवी निलेश मिश्रा, राहुल वर्मा, विद्यालय के शिक्षक शिवा सोनी प्रमोद यादव, रामनिवास यादव, अमित, संदीप मुस्कान, स्नेहा, मनीषा , संजय सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अधिशासी अधिकारी संग नगर पंचायत रुपईडीहा के सभासदों ने किया वृहद वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। प्रदेश सरकार के ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के अंतर्गत नवनिर्मित नगर पंचायत कार्यालय परिसर में अधिशासी अधिकारी एवं नगर पंचायत रुपईडीहा के सभासदों ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए तथा उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। सभासदों ने भी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के माध्यम से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी राम मदन यादव सभासद राजा इमाम रिजवी जहीर अहमद मनोज प्रजापति धुर्व राज वर्मा जान मोहम्मद जाकिर नरेंद्र कुमार मद्धेशिया राज कुमार गुप्ता रतन कुमार अग्रवाल बालेश्वर यादव एवं सुपरवाइजर सुजीत कुमार सहित नगर के सफाई कर्मी सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

पं.सच्चिदानंद इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आम उत्सव

मैंगो डे पर बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र अंतर्गत सेमरी बाजार स्थित पंडित सच्चिदानंद इंटर कॉलेज में आम दिवस उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न मैंगो-डे गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने आम विषय पर चित्रकला, रंग भरना, भाषण, कविता एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साथ ही विद्यार्थियों को आम के पोषण संबंधी महत्व एवं उसके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी गई ।विद्यालय के प्रवक्ता एवं गतिविधि कार्यक्रम प्रभारी मोहम्मद जमील कुरैशी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके उत्साह एवं सहभागिता के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रवक्ता प्रेम सागर ने सभी बच्चों को बधाई दी वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल मिश्र ने सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया तथा गतिविधि प्रभारी जमील कुरैशी को धन्यवाद दिया, उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल मिश्र , प्रवक्ता मोहम्मद जमील कुरैशी, प्रवक्ता प्रेम सागर यादव, सुचिता मिश्रा, सहायक शिक्षक रामप्रकाश, सत्यम कुमार, रोहिणी गुप्ता, नरेंद्र प्रताप, सृष्टि, मधु वर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

14 साल की नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

परिजन ने दो युवकों पर लगाया आरोप, पुलिस ने दोनों किया अरेस्ट

अमन लेखनी समाचार

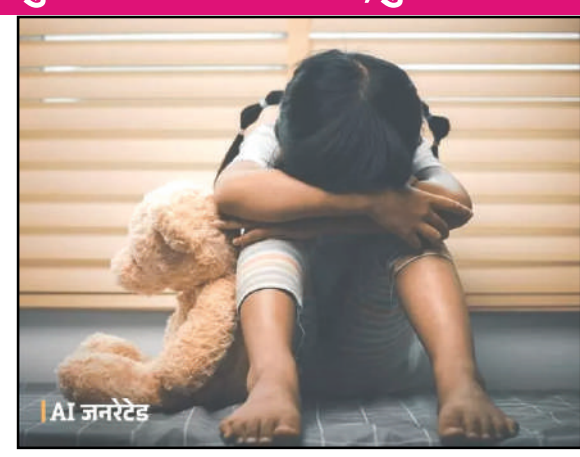

अलीगढ़ ,छर्रा थानाक्षेत्र में एक 14 साल की किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिजन ने इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ शिकायत की थी। पुलिस ने उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर दोनों को अरेस्ट कर लिया है। परिजनों के अनुसार, किशोरी शाम करीब 5 बजे सब्जी लेने घर से निकली थी, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान एक राहगीर ने बताया कि दो युवक किशोरी को गांव के बाहर ले जाते हुए देखे गए थे। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। 112 नंबर पर सूचना मिलने के बाद छर्रा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश में दबिश दी। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी भागने का प्रयास करने लगे। बताया गया है कि एक आरोपी ने बचने के लिए मकान की ऊपरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे वह घायल हो गया। बाद में पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने किशोरी को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश किया, उसके साथ मारपीट की और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी गंभीर हालत में मिली थी। उसे पहले छर्रा थाने लाया गया, जहां से चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार के लिए दीनदयाल अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार, बच्ची के चेहरे पर चोट के निशान हैं और उसका पूरा चेहरा सूजा हुआ है ।टना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। पीड़िता के माता-पिता ने दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग की है ।सीओ छर्रा अविनेश कुमार ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़कों पर दौड़ने से नहीं मिलता न्याय

चंद्रशेखर-इमरान मसूद को बसपा प्रदेश अध्यक्ष का जवाब, बोले-भगवान सुरक्षित नहीं, आम जनता कहां जाए

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सुलतानपुर के लंभुआ विधानसभा क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने कामतागंज स्थित एक निजी मैरिज लॉन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने शैलेंद्र कुमार सिंह को लंभुआ विधानसभा सीट का प्रभारी प्रत्याशी घोषित किया और कार्यकताओं से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। चंद्रशेखर आजाद और इमरान मसूद के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि न्याय सड़कों पर दौड़ने से नहीं, बल्कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान और कानून के माध्यम से मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा को कमजोर करने की कोशिश करने वाले लोग विरोधी दलों के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर के पास कथित चंदा चोरी के मामले का उल्लेख करते हुए विश्वनाथ पाल ने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि भगवान ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए बसपा संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। मीडिया से बातचीत में विश्वनाथ पाल ने दावा किया कि बसपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 2007 की तरह पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

हत्या के प्रयास में पांच आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में लाठी-डंडों से किया हमला, दो डंडे बरामद

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , मान्धाता थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए दो डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना शाम भगवतगंज बाजार स्थित एक सीमेंट-सरिया की दुकान के सामने हुई थी। पुरानी रंजिश को लेकर वादी के पुत्र पर लाठी-डंडों और हॉकी से हमला किया गया था। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गयापीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मंगलवार को पुलिस चेकिंग के दौरान भगवतगंज बाजार के पास से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिन्देश्वरी सोनी (31), सूरज सोनी (31), आर्यन सोनी (19), शिवा सोनी (21) और संदीप सोनी (25) शामिल हैं, जो सभी ग्राम भगवतगंज, थाना मान्धाता के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 11 जुलाई 2026 को ग्राम अकारीपुर में हुई मारपीट के विवाद में राजू सिंह घायल हुए थे, जिसके संबंध में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी पुरानी रंजिश के चलते उन्होंने हमला किया था।

सर्राफा कारोबारी से लूट का खुलासा

तीन आरोपी गिरफ्तार, लूटे गए चांदी के आभूषणों को गलाकर आपस में बांटा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,पुलिस ने सर्राफा कारोबारी से हुई लूट की घटना दोपहर तीन बजे करीब पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध तमंचा, लूटे गए जेवर, नकदी और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। यह घटना 8 जुलाई को नगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर नहर के पास हुई थी। बिहारगंज बाजार के सर्राफा व्यवसायी सीताराम सोनी जब मोपेड से जा रहे थे, तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें तमंचा दिखाकर रोक लिया। बदमाशों ने उनके बैग से करीब 70 हजार रुपये के चांदी के जेवर और 10 हजार रुपये नकद लूट लिए। इसके बाद वे कोहंडौर की ओर फरार हो गए थे। सीताराम सोनी अंतू थाना क्षेत्र के चौरा गांव के निवासी हैं। वे बिहारगंज बाजार में कपड़े और बर्तन की दुकान चलाते हैं, साथ ही ऑर्डर पर जेवर भी बनाते हैं। घटना के दिन वे तैयार जेवर लेकर कोहंडौर थाना क्षेत्र के बरा सराय गांव जा रहे थे।

अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने राजेंद्र वर्मा और सौरभ यादव सहित तीन आरोपियों को नगर कोतवाली क्षेत्र के भोरही का पुरवा गौशाला के पास नहर के निकट से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर पहले सर्राफा व्यवसायी की रेकी की थी।

संक्षेप

सांसद सांगवान ने बागपत में नोटिसों पर उठाए सवाल

डीएम से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई रोकने की मांग

बागपत , लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बागपत-खेकड़ा-बड़ौत विकास प्राधिकरण द्वारा जारी सीलिंग और ध्वस्तीकरण नोटिसों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने डीएम बागपत अस्मिता लाल से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जांच पूरी होने तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।सांसद ने बताया कि संयुक्त व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के सचिव प्रमोद जैन और विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने उन्हें शिकायत दी है। शिकायत में कहा गया है कि विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1970 से 1990 के बीच स्थापित कई पुराने उद्योगों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बिना वास्तविक स्थल निरीक्षण और विधिक प्रक्रिया अपनाए एक समान प्रारूप में नोटिस जारी किए हैं।व्यापारियों में भय और असमंजस इस कार्रवाई से व्यापारियों में भय और असमंजस का माहौल है। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि इन नोटिसों के आधार पर सीलिंग या ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जाती है, तो हजारों श्रमिकों के रोजगार पर संकट आ सकता है।डॉ. सांगवान ने जोर दिया कि विकास प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का सुनियोजित विकास करना और व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित करना होना चाहिए, न कि उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करना।नोटिसों के आधार पर प्रस्तावित सीलिंगउन्होंने जिलाधिकारी से आग्रह किया कि विकास प्राधिकरण द्वारा जारी सभी नोटिसों की निष्पक्ष जांच की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि क्या नोटिस बिना भौतिक सत्यापन के जारी किए गए थे। साथ ही, जांच पूरी होने तक इन नोटिसों के आधार पर प्रस्तावित सीलिंग, ध्वस्तीकरण या अन्य किसी भी दंडात्मक कार्रवाई को तत्काल स्थगित रखा जाए। सांसद ने यह भी कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यापारी और उद्योगपति को नियमानुसार अपना पक्ष रखने और आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए, ताकि न्यायपूर्ण और पारदर्शी निर्णय सुनिश्चित हो सके।

निकाह से पहले एफिडेविट होगा अनिवार्य

इमामों को कानूनी विवाद से बचाएगा, मुस्लिम समाज ने किया इस पहल का स्वागत

बागपत ,निकाह प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विवादों से मुक्त बनाने के लिए नया निर्णय लिया गया है। अब मस्जिद में निकाह पढ़ाने से पहले दूल्हा और दुल्हन पक्ष को अधिवक्ता द्वारा तैयार स्टाम्प पेपर पर घोषणा-पत्र (एफिडेविट) देना अनिवार्य होगा। इसमें दोनों पक्षों को बालिग होने, वैवाहिक स्थिति और किसी भी कानूनी विवाद की सही जानकारी देनी होगी। यह निर्णय बड़ौत की जामा मस्जिद में खिदमत सोसायटी और जमीअत उलेमा-ए-हिंद के प्रतिनिधियों की बैठक में लिया गया। बैठक में बताया गया कि हाल के दिनों में नाबालिगों के निकाह, पहले से शादीशुदा होने और लंबित मुकदमों जैसी जानकारियां छिपाकर निकाह कराने के कई मामले सामने आए हैं।ऐसे मामलों में इमामों को भी पुलिस और अदालतों के चक्कर लगाने पड़े। गलत जानकारी की जिम्मेदारी संबंधित पक्ष की होगीघोषणा-पत्र में यह पष्ट करना होगा कि दोनों पक्ष बालिग हैं, उनका पहले से कोई निकाह नहीं हुआ है या यदि हुआ है तो उसकी पूरी जानकारी दी गई है।

120 किलोमीटर दूर प्रयागराज में नकल का कंट्रोल रूम

यूपीएसएसएससी परीक्षा का पेपर वाराणसी से लीक कराया, एसटीएफ की जांच में बड़ा खुलासा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की सहायक बोरिंग टेक्नीशियन मुख्य परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाले गिरोह की जांच में एसटीएफ को बड़ा सुराग मिला है। जांच में सामने आया है कि प्रश्नपत्र वाराणसी के एक परीक्षा केंद्र से लीक हुआ।जबकि पूरे नकल रैकेट को करीब 120 किलोमीटर दूर प्रयागराज से ऑपरेट किया जा रहा था। आशंका है कि गिरोह का नेटवर्क सिर्फ दो अभ्यर्थियों तक सीमित नहीं था, बल्कि अन्य परीक्षा केंद्रों तक भी फैला हो सकता है। एसटीएफ की अब तक कि जांच के मुताबिक, गिरोह का सदस्य राजेंद्र यादव उर्फ धीरेंद्र यादव, जो वाराणसी के बिहरा पाही का रहने वाला है, ने परीक्षा शुरू होने के कुछ ही देर बाद किसी परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र बाहर निकलवाया। इसके बाद उसने प्रश्नपत्र प्रयागराज में बैठे गिरोह के सरगना शिवजीत पटेल को भेज दिया। बहरिया के अर्धनिर्मित मकान में बैठे थे सॉल्वर जांच में सामने आया है कि प्रयागराज के बहरिया में सरगना शिवजीत पटेल के अर्धनिर्मित मकान को नकल का कंट्रोल रूम बनाया गया था। यहां पहले से सात सॉल्वर और सरगना व उसका भाई कप्तान मौजूद थे। प्रश्नपत्र मिलते ही सभी ने मिलकर तेजी से उत्तर तैयार किए। इसके बाद मोबाइल फोन से जुड़े माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से वाराणसी में परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों तक क्रमवार सही उत्तर पहुंचाए गए। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से परीक्षा हॉल में पहुंचते रहे जवाब एसटीएफ के अनुसार, परीक्षा केंद्र में बैठे अभ्यर्थियों के पास पहले से माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगाए गए थे। प्रयागराज से तैयार उत्तर इन्हीं डिवाइसों के जरिए उन्हें सुनाए जा रहे थे। पूरे ऑपरेशन का संचालन इतनी गोपनीयता से किया गया कि परीक्षा के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी। दो अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी से खुला पूरा नेटवर्क वाराणसी के एंग्लो इंडियन मुस्लिम इंटर कॉलेज, लल्लापुरा और हरिश्चंद्र बालिका इंटर कॉलेज, मैदागिनी से दो अभ्यर्थियों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ गिरफ्तार किया गया।

छात्र की नाक चाइनीज मांझे से कटी

कोचिंग जा रहा था नौवीं का छात्र, आंख बाल-बाल बची

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , पूरे प्रदेश में प्रतिबंध के बावजूद प्रयागराज में चाइनीज मांझे की बिक्री और इस्तेमाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसका खामियाजा एक बार फिर एक मासूम छात्र को भुगतना पड़ा। धूमनगंज थाना क्षेत्र के कालिंदीपुरम में रविवार शाम कोचिंग जा रहे नौवीं कक्षा के छात्र का चेहरा चाइनीज मंझे की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी आंख, माथे और नाक पर गंभीर चोट आई। परिजनों ने पुलिस से शिकायत कर प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम हो रही चाइनीज मांझे की बिक्री और पतंगबाजी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्कूटी से कोचिंग जाते समय हुआ हादसा

कालिंदीपुरम निवासी अधिवक्ता आलोक कनौजिया ने बताया कि उनका 15 वर्षीय बेटा रिद्विमान कनौजिया नौवीं कक्षा का छात्र है। रविवार शाम करीब छह बजे उसकी बहन स्कूटी से उसे कोचिंग छोड़ने जा रही थी। रिद्विमान पीछे बैठा था। जैसे ही दोनों कालिंदीपुरम पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, सड़क पर फैला चाइनीज मांझा अचानक उसके चेहरे से टकरा गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि रिद्विमान के माथे, दाहिनी आंख के पास और नाक पर गहरे कट लग गए। वह दर्द से चीख उठा और उसके चेहरे से तेजी से खून बहने लगा। घटना देखकर राहगीर मौके पर पहुंच गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया।

पिता ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

घटना के बाद रिद्विमान के पिता अधिवक्ता आलोक कनौजिया ने पुलिस को शिकायत देकर कहा कि प्रतिबंध के बावजूद इलाके में खुलेआम चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाई जा रही है। उन्होंने मांग की कि ऐसे मांझे की बिक्री करने वालों और इसका इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

12 फीट से ऊंची कांवड़ लाए तो होगा एक्शन

मेरठ में डाक कांवड़ की ऊंचाई और डीजे की आवाज को लेकर गाइडलाइन जारी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस, प्रशासन ने गाइडलाइन जारी कर दी है। इस गाइडलाइन के अनुसार डाक कांवड़ की ऊंचाई 12 फिट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। साथ ही डीजे की आवाज भी 75 डेसिबल से अधिक हुई तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। लगातार पुलिस, प्रशासनिक अफसर कांवड़ यात्रा की तैयारियों में लगे हैं। शनिवार को भी अधिकारियों ने बागपत के पुरामहादेव मंदिर में जलाभिषेक किया और कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था। रविवार को भी अफसर फील्ड पर तैयारियों को देखने निकले हैं।

ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एडीजी भानु भास्कर, डीआईजी कलानिधि नैथानी, एसएसपी अविनाश पांडेय ने पुलिस लाइन स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को कैमरे पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा कांवड़ यात्रा मार्ग की निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का व्यापक उपयोग करने को कहा। भारी व हल्के वाहनों के लिए समय रहते रूट डायवर्जन प्लान लागू कर उसका प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इसके बाद एडीजी ने हापुड़ में भी डीआईजी के साथ जाकर वहां के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। अफवाह फैलाने वालों पर होगा एक्शनपुलिस की टीमें लगातार सोशल मीडिया पर भी निगरानी कर रही हैं। असामाजिक व शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

'राममंदिर चढ़ावा चोरी पर पीएम चुप क्यों'

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता बोले- हम राम विरोधी नहीं, दलित बेटी के लिए न्याय मांगना अपराध है क्या

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. अभय दुबे मेरठ पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर करोड़ों श्रद्धालुओं का चंदा और चढ़ावा चोरी हो गया। इससे पूरे देश की धार्मिक आस्था को आहत हुई है। कांग्रेस पार्टी किसी धर्म या भगवान श्रीराम के विरुद्ध नहीं है। बल्कि भ्रष्टाचार और जवाबदेही के पक्ष में खड़ी है। इसलिए इस पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। ताकि देश के सामने सच्चाई आ सके। कहा कि मेरठ की दलित बेटी की हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए जब कांग्रेस नेताओं और सामाजिक संगठनों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया तो प्रशासन ने आवाज दबाने का प्रयास किया। मुकदमे दर्ज किए गए। किसी दलित बेटी के लिए न्याय की मांग करना अपराध है क्या?

देशभक्त जानना चाहते हैं कि राममंदिर का चंदा कहां गया?

प्रो. अभय दुबे ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति, मयार्दा और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। राम मंदिर आंदोलन के दौरान देश के गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और सामान्य श्रद्धालुओं ने अपनी मेहनत की कमाई, गहने, बचत और आस्था के साथ मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद ने लगभग तीन दशकों तक भगवान श्रीराम के नाम पर देशभर में अभियान चलाया। इसी आंदोलन के आधार पर राजनीतिक लाभ प्राप्त किया। वही करोड़ों रामभक्त यह जानना चाहते हैं कि भगवान श्रीराम के नाम पर एकत्र किया गया चंदा और मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया धन आखिर किसके संरक्षण में कथित रूप से लूटा गया।

प्रधानमंत्री आखिर कब इस मुद्दे पर बोलेंगे

अभय दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले पर मौन क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट की शीर्ष नियुक्तियों और प्रशासनिक ढांचे में केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका रही है। ऐसे में यदि गंभीर आरोप सामने आए हैं तो सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को स्वयं देश के सामने आकर स्पष्ट करना चाहिए।

बेगमपुल चौराहे पर सड़क धंसी

बीच सड़क बना गहरा गड्ढा, अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन भी पास में

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , व्यस्त बेगमपुल चौराहे पर देर रात सड़क धंस गई। इससे बीच सड़क पर बड़े गड्ढे बन गए। जहां हादसा हुआ वहां अंडरग्राउंड मेट्रो और नमो भारत (आरआरटीएस) स्टेशन स्थित है। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बैरिकेडिंग की, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और वाहन चालक व राहगीर सुरक्षित रहे। मानसून की पहली तेज बारिश के बाद शहर की सड़कों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। देर रात हुई इस घटना के बाद, सड़क के बीचो-बीच कई बड़े और गहरे गड्ढे बन गए। इससे वहां से गुजर रहे वाहन चालकों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ वाहन चालक और राहगीर गड्ढों में गिरने से बाल-बाल बचे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर यातायात को प्रभावित हिस्से से मोड़ दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से कोई जनहानि नहीं हुई। मूसलाधार बारिश ने मेरठ शहर की बुनियादी ढांचागत व्यवस्थाओं की पोल खोल दी थी। कई इलाकों में गंभीर जलभराव देखा गया था, और शहर के विभिन्न अंडरपास पानी से भर गए थे। जलभराव के कारण कुछ लोगों की जान भी गई थी। बेगमपुल जैसे प्रमुख चौराहे पर सड़क धंसने की इस घटना ने नगर निगम की मानसून तैयारियों और सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर निगम जहां मानसून से निपटने के बड़े-बड़े दावे कर रहा था, वहीं पहली ही भारी बारिश में शहर की सड़कों और जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर हो गई। पुलिस ने फिलहाल प्रभावित हिस्से को सुरक्षित कर दिया है और संबंधित विभाग को सड़क की मरम्मत के लिए सूचित कर दिया गया है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यदि समय रहते बैरिकेडिंग नहीं की जाती।

तो यह घटना एक बड़े हादसे का रूप ले सकती थी।

स्पा सेंटर में चल रहा था सेक्स रैकेट

पुलिस की रेड में 23 महिलाएं मिलीं, 5 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में शाम 7 बजे पुलिस ने छापेमारी कर कथित देह व्यापार का खुलासा किया। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर संचालित एक स्पा सेंटर में कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां मौजूद 23 महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया। मौके से पांच ग्राहकों और स्पा सेंटर के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा कुछ आपत्तिजनक और संदिग्ध सामान भी बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मामला कौशांबी थाना क्षेत्र के वैशाली सेक्टर-4 स्थित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का है।

स्पा सेंटर की आड़ में हो रहा था देह व्यापार

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरूआती जांच में स्पा सेंटर की आड़ में कथित तौर पर देह व्यापार संचालित होने की बात सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 23 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया, जबकि पांच ग्राहकों और एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में कौशांबी थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पूछताछ के आधार पर यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध गतिविधि का संचालन कब से हो रहा था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

घर में महिला की खून से लथपथ डेडबॉडी मिली

मेरठ में ससुरालवाले बोले- फर्श पर गिरने से सिर में चोट लगी, मायके वालों ने कहा- हत्या हुई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष का दावा है कि फर्श पर पैर फिसलने से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हुई, जबकि मायके वालों ने मारपीट और गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पति समेत अन्य ससुराल वाले मौके से फरार हैं।

6 साल पहले हुई थी शादी, दो बच्चों की मां थी महिला

लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमद नगर गली नंबर-2 निवासी शाहवेज से किदवई नगर की रहने वाली निदा उर्फ सोनी की छह वर्ष पहले शादी हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं, जिनमें पांच वर्षीय बेटा हिमाद और तीन वर्षीय बेटी आतिका शामिल हैं। शाहवेज अपने पिता की टेलरिंग की दुकान पर काम करता है। मायके पक्ष का आरोप है कि दोपहर साढ़े तीन बजे एक पड़ोसी ने हमें फोन कर बताया कि तुम्हारी बेटी के साथ यहां ससुराल में क्या हो रहा है। तुम अभी तक आए क्यों नहीं हो। तब पड़ोसियों के कॉल के बाद निदा की मां, दो भाई उसके चाचा यहां अहमद नगर पहुंचे। यहां पहुंचने पर देखा कि निदा का शव फर्श पर पड़ा था और आसपास खून फैला हुआ था। परिजनों का आरोप है कि महिला के हाथ-पैर पर चोट के निशान थे और गले पर भी दबाव के निशान दिखाई दे रहे थे, जिससे उन्हें हत्या की आशंका है।

हंगामे के बाद फरार हुए ससुराल वाले

घटना के बाद मायके वालों ने ससुराल पक्ष से जवाब मांगा और हंगामा हो गया। आरोप है कि इसी दौरान ससुराल पक्ष के लोग मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर लिसाड़ी गेट थाना पुलिस और सीओ कोतवाली संग्राम सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार पति व अन्य ससुरालियों की तलाश शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि निदा का पति शाहवेज पहले पत्नी को लेकर पास के ही किसी डॉक्टर के पास इलाज के लिए ले गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद शाहवेज बॉडी लेकर घर पहुंचा। ये सब देखकर पड़ोसियों ने निदा के घरवालों को इसकी सूचना दे दी थी। मायके वालों ने ये भी बताया कि 5 महीने पहले पति, पत्नी में किसी बात पर झगड़ा हुआ था। इसके बाद बेटी मायके में आकर रहने लगी थी। लगभग एक महीना पहले ही दोबारा निदा ससुराल में रहने आई थी। जहां आज उसकी हत्या हो गई है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के वास्तविक कारण का पता लगाया जाएगा।

रेलवे कर्मचारी बनकर बैंक से लिया 14 लाख का लोन

नोएडा में जांच में दस्तावेज नकली निकले, केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , दोपहर 3 बजे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सेक्टर-51 शाखा से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 14 लाख रुपये का लोन लेने का मामला सामने आया है। बैंक प्रबंधन की शिकायत पर सेक्टर-49 थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने स्वयं को रेलवे का कर्मचारी बताकर ऋण प्राप्त किया था। शाखा प्रबंधक देवांजली मुखर्जी के अनुसार, मई 2022 में दिल्ली रेलवे कॉलोनी निवासी शिबू राम ने बैंक में ऋण के लिए आवेदन किया था। आवेदन में उसने स्वयं को दिल्ली रेलवे के प्रधान कार्यालय में सहायक लेखाकार के पद पर कार्यरत बताया।इसके समर्थन में उसने वेतन पर्ची, सेवा प्रमाणपत्र और अन्य अभिलेख प्रस्तुत किए। उपलब्ध दस्तावेजों की औपचारिक जांच के बाद बैंक ने 14 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर दिया बैंक अधिकारियों के मुताबिक, ऋण स्वीकृत होने के बाद आरोपी ने लगभग एक साल तक नियमित रूप से मासिक किश्तें जमा कीं।

पुलिस-बदमाशों की मुठभेड़, 2 घायल

पैरामाउंट सोसाइटी में लूट करने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में सुबह पुलिस और कार सवार लुटेरों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य को कॉम्बिंग के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। ये बदमाश 5 जुलाई को पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में हुई लाखों की लूट में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई को इन बदमाशों ने पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी के एक विला में घुसकर महिला को बंधक बनाया था। उन्होंने घर से लाखों रुपये की ज्वेलरी और नकदी लूटी थी, जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर डीसीपी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में कई पुलिस टीमें गठित की गई थीं। रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश तिलपता गोल चक्कर के पास घूम रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोलीागी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं, दो अन्य बदमाशों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया माल, अवैध तमंचे, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की है। इस घटना और बदमाशों के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए पुलिस आज दोपहर एक प्रेस वार्ता आयोजित करेगी।

निर्माणाधीन दुकान की शटरिंग गिरी

मलबे में दबे 3 मजदूर, 2 की हालत गंभीर; सुरक्षा मानकों की जांच शुरू

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, नोएडा के सेक्टर-33 में दोपहर 3 बजे निमार्णाधीन दुकान की शटरिंग गिर गई। मलबे में दबने 3 मजदूर घायल हो गए। इनमें 2 की हालत गंभीर है। कुल 16 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया। सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। सुरक्षा मानकों की जांच भी शुरू कर दी गई है।

नोएडा प्राधिकरण दुकानों का निर्माण करा रहा था

नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-33 के बी-ब्लॉक में दो मंजिला दुकानों का निर्माण करा रहा था। दोपहर करीब 3 बजकर 45 मिनट पर दुकान की छत पर लिंटर डालने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक शटरिंग भरभराकर नीचे गिर गई। हादसे के वक्त निर्माण स्थल पर कुल 16 मजदूर काम कर रहे थे। शटरिंग गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। मजदूर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। मलबे में दबने से मध्य प्रदेश निवासी संजना, शिवलाल और प्यारेलाल घायल हो गए। घायलों में संजना और शिवलाल को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि प्यारेलाल को मामूली चोट लगी है।

ओआरएस व जिंक की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं : डॉ. मंजू सचान

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की मंडलीय समीक्षा बैठक

स्टॉप डायरिया कैंपेन के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों पर हुई चर्चा

अमन लेखनी समाचार

आगरा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को अपर निदेशक कार्यालय के सभागार में डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी.एस.आई. इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर निदेशक चिकित्सा-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. मंजू सचान ने की। बैठक में आगरा के साथ ही मंडल के मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी जिले के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया रोग प्रबन्धन के लिए इस समय चल रहे स्टॉप डायरिया कैम्पेन (दस्त रोको अभियान) के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों पर भी विचार-विमर्श हुआ। अपर निदेशक ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है, जबकि दस्त की रोकथाम और उपचार पूरी तरह संभव है। इसलिए डायरिया से डरने की नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। उन्होंने स्टॉप डायरिया कैम्पेन में पीएसआई इंडिया के सहयोग को सराहा क इसके साथ ही मंडल के सभी जिलों के विभागीय अधिकारियों से कहा कि संस्था का सहयोग करते हुए डायरिया रोको अभियान 2026 की समस्त गतिविधियों को ससमय सम्पन्न कराएं और ओआरएस व जिंक की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित कराएं। बैठक में संयुक्त निदेशक (जेडी) डॉ. नीरज त्यागी ने हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) की रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने एचएमआईएस आपरेटर को निर्देशित किया कि इस माह रिपोर्ट सही तरीके से तैयार की जाए। डिवीजनल कार्यक्रम प्रबन्धक पवन कुमार ने सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधकों से कहा कि आंकड़ों का मूल्यांकन करते हुए डायरिया केस की रिपोर्टिंग सुनिश्चित कराएँ। डिवीजनल अर्बन हेल्थ सलाहकार इरसाद और डिविजनल एमएनई अफजल ने कहा कि डायरिया की पहचान एवं रिपोर्टिंग अर्बन फैसिलिटी पर सुनिश्चित कराएं। पी. एस. आई. इंडिया के सीनियर मैनेजर प्रोग्राम अनिल द्विवेदी ने ह्यडायरिया से डर नहींह्ण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत मण्डल के आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद जनपदों में आशा कार्यकताओं, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकताओं को पीएसआई इंडिया के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया है क इसके साथ ही डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के दौरान ई-रिक्शा के माध्यम से डायरिया से बचाव और प्रबन्धन के बारे में प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिसमें सभी का सहयोग जरूरी हैक प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण किया जाना है। सरकारी और निजी अस्पतालों में अब तक बनाए ओआर एस कार्नर का डाटा भी प्रस्तुत किया। बैठक में फिरोजाबाद के डीपीएम भानु प्रताप, आगरा के अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. ऋषि गोपाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.उपेंद्र कुमार, डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक आकाश गौतम, जनपद मथुरा से जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह, डीपीएम संजय सिहोरिया, जिला लेखा प्रबंधक, मैनपुरी के डीपीएम, अर्बन हेल्थ समन्वयक, एचएमआईएस ऑपरेटर और पीएसआई इंडिया की ओर से राजेश कुमार प्रजापति, अजय कुमार, पंकज कुमार आदि उपस्थित रहे

हरियाली आंदोलन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे डॉ. बृजेश महादेव

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से हरियाली आंदोलन के संयोजक एवं पर्यावरण प्रेमी शिक्षक डॉ. बृजेश महादेव लगातार जन-जागरूकता अभियान चला रहे हैं। उनके नेतृत्व में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय, पल्हारी (नगवां) में विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। डॉ. महादेव ने बताया कि उनका अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि वनों के संरक्षण, वृक्षों की सुरक्षा तथा वर्षा ऋतु में विभिन्न प्रजातियों के बीजों की बुवाई कर प्राकृतिक वन संपदा का विस्तार करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वर्षों पूर्व लगाए गए अनेक पौधे आज विशाल वृक्ष बन चुके हैं, जो इस अभियान की सफलता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष पंद्रह पुत्रों से भी अधिक उपयोगी होता है। वृक्ष मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, फल, फूल, औषधियाँ, ईंधन, लकड़ी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम-से कम एक वृक्ष लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। डॉ. बृजेश महादेव ने बताया कि दार्जिलिंग की प्राकृतिक हरियाली से प्रेरित होकर उन्होंने अपने पैतृक गाँव भरहरी तथा कर्मभूमि पल्हारी से हरियाली आंदोलन की शुरूआत की थी। आज इस अभियान के माध्यम से हजारों लोगों को पौधे एवं बीज वितरित किए जा चुके हैं तथा उन्हें वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके घर आने वाले प्रत्येक अतिथि को विदाई के समय एक पौधा उपहार स्वरूप दिया जाता है तथा उससे पौधे के संरक्षण का संकल्प भी कराया जाता है। विद्यालय में भी विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के संस्कार दिए जा रहे हैं, ताकि वे अपने परिवार और समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकें। डॉ. महादेव ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनका संरक्षण करने तथा हरियाली आंदोलन से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहाँ है हरियाली, वहाँ है खुशहाली।

खास समाचार

सलोन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

सलोन, रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रायबरेली जनपद की सलोन विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य विवेक त्रिपाठी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करना चाहिए और लगाए गए पौधों की देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के माध्यम से हर व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभा सकता है। विवेक त्रिपाठी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग इस अभियान से जुड़ें और अधिक से अधिक पौधारोपण कर स्वच्छ, हरित, समृद्ध एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को सशक्त बनाने का भी आह्वान किया।

क्षेत्र में दहशत, अज्ञात जंगली जानवर ने गाय की बछिया को बनाया शिकार

ग्रामीणों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग

अमन लेखनी समाचार

विंध्याचल। क्षेत्र में किसी बड़े जंगली जानवर की मौजूदगी की आशंका से ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच शिवपुर क्षेत्र के कोइरान बस्ती में एक गाय की बछिया को अज्ञात जंगली जानवर ने अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है और आसपास के कई गांवों में भी इसकी चर्चा तेज हो गई है। कोइरान बस्ती निवासी चंद्रप्रकाश पूरी ने बताया कि रात करीब 1 से 2 बजे के बीच उनके घर में बंधी गाय और उसकी बछिया लगातार आवाज कर रही थीं। उन्होंने पहले इसे सामान्य बात समझते हुए ध्यान नहीं दिया, लेकिन सुबह जब वह पशुओं को देखने पहुंचे तो बछिया मृत मिली। उसके शरीर को किसी जंगली जानवर द्वारा बुरी तरह नोचकर खाया गया था और आस पास जंगली जानवर के पैर के निशान भी मिले हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो-चार दिनों से क्षेत्र के कई गांवों में तेंदुआ या चीता अथवा किसी बड़े जंगली जानवर के देखे जाने की चचाएं लगातार हो रही हैं। हालांकि इसकी अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार पहाड़ के नीचे स्थित तालाब में पानी पीने के लिए जंगली जानवर आते हैं और रात के समय पहाड़ से उतरकर गांवों में घूमते हैं। आशंका जताई जा रही है कि उसी दौरान यह घटना हुई। चंद्रप्रकाश पूरी सहित अन्य ग्रामीणों ने वन विभाग से मामले की गंभीरता से जांच कर क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने, संदिग्ध जंगली जानवर की तलाश करने तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जनपद सोनभद्र में व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत गांवों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण, नालियों की सफाई सहित विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता रही। इस दौरान लोगों को संचारी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों में संचारी रोग जागरूकता रैलियां निकाली गईं। ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों द्वारा प्रभात फेरियां आयोजित की गईं, जबकि ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा ग्रामों में सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान गांवों में नालियों की सफाई, स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों की मरम्मत, हैंडपंप चबूतरों की मरम्मत तथा शौचालयों का निर्माण कराया गया। वहीं नगर पंचायत क्षेत्रों में स्थानों पर नालियों की सफाई एवं वार्डों में फॉगिंग कराई गई। इसके अतिरिक्त पशुपालकों को संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के संबंध में जागरूक किया गया तथा कृंतक नियंत्रण के लिए जनपद में बैठकों का आयोजन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को पूरी गंभीरता एवं प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए स्वच्छता, जनजागरूकता एवं रोगों की रोकथाम संबंधी गतिविधियों को निरंतर जारी रखा जाए, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सोनभद्र पुलिस ने साइबर गैंग लीडर की अपराध से अर्जित थार किया जब्त

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन उ८-श्ंन१ के अंतर्गत उच्चाधिकारीगण द्वारा साइबर अपराधियों, म्यूल अकाउंट, संदिग्ध मोबाइल नंबर, एटीएम कैश आउट, चेक विदड्रॉल एवं अन्य साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान साइबर थाना पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर गैंग लीडर आयुष पटेल की अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त किया गया। जांच में प्रकाश में आया कि गैंग लीडर आयुष पटेल एवं उसके सहयोगी सुभाष राय, रजत श्रीवास्तव तथा करण गुप्ता द्वारा होटल के कर्मचारियों एवं उनके रिश्तेदारों के नाम पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र में म्यूल बैंक खाते खुलवाकर साइबर अपराध से अर्जित धनराशि को एटीएम एवं चेक के माध्यम से निकालकर संगठित आर्थिक अपराध कारित किया जा रहा था। उक्त प्रकरण में मुकदमा अपराध संख्या 17/2025 धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 66-ऊ आईटी एक्ट के अंतर्गत थाना साइबर क्राइम, जनपद सोनभद्र पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान अपराध के पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर अभियुक्तगण के विरुद्ध आरोप-पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया। साथ ही, गैंग बनाकर संगठित रूप से अपराध कारित किए जाने के कारण अभियुक्तगण के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 15/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई। विवेचना के दौरान अभियुक्त आयुष पटेल द्वारा साइबर अपराध से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों का चिन्हीकरण कर आख्या जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र को प्रेषित की गई। जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र द्वारा साइबर अपराध से अर्जित उक्त संपत्ति के जब्तीकरण का आदेश पारित किए जाने के उपरांत साइबर क्राइम पुलिस टीम ने वाराणसी जनपद के रामपुर सगरा स्थित स्थान से अभियुक्त की महिन्द्रा ळलअफ (वाहन संख्या वढ65ऋव2725) को विधिक प्रक्रिया के तहत जब्त कर थाना साइबर क्राइम, जनपद सोनभद्र पर दाखिल किया। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ऑपरेशन उ८-श्ंन१ के अंतर्गत साइबर अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा निर्देशित किया गया है कि साइबर अपराध से अर्जित अन्य चल एवं अचल संपत्तियों का चिन्हीकरण कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए जनपद स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन किया गया है तथा अभियान लगातार जारी है।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 13.07.2026 को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

देश में जनतंत्र पर बढ़ते हमलों के खिलाफ कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओं ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट के पीछले दरवाजे पर नहीं बल्कि कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी उद्यान में धरना प्रदर्शन स्थल सुनिश्चित किया जाए; वामदल।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। सोमवार को भाकपा, माकपा और भाकपा (माले) के संयुक्त तत्वावधान में अपने राष्ट्रव्यापी आान के तहत देश में जनतंत्र पर बढ़ते हमलों के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से से भेजा। जहां कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। गैर-कानूनी बुलडोजर राज, फर्जी मुकदमों में आरोपी बनाने, राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग न करने देने और जन आंदोलनों व प्रदर्शनों से पहले नेताओं को नजरबंद करने की घटनाएं हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अल्पसंख्यक, दलित- आदिवासी विरोधी बुलडोजर अभियान यथावत चल रहा है। भाजपा से असहमति रखने वाले, सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले सामाजिक कार्यकताओं व बुद्धिजीवियों का दमन करके फर्जी मुकदमे लगाकर जेल भेजा जा रहा है। अपने हक-अधिकार के लिए संघर्ष करने वाले मजदूरों को जेलों में कैद कर दिया गया है। किसी भी लोकतांत्रिक कार्यक्रम को संचालित करने की अनुमति नहीं है। धरना- प्रदर्शन करने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी अनुमति नहीं प्रदान करने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। लोकतांत्रिक प्रदर्शन के पूर्व नेताओं व कार्यकताओं को अवैध हाउस अरेस्ट करना आम नियम बना दिया गया है। महिलाओं व दलितों के खिलाफ हिंसा की एक से बढ़कर एक घटनाएं हो रही हैं। अपराधियों को सत्ता का वरदहस्त प्राप्त है। गैर-कानूनी एनकाउंटर को खुली छूट है। जिससे जन-मानस में भय का माहौल है। वक्ताओं ने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार में देश में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि आपातकाल जैसी स्थिति हो इन्हीं सब सवालों को लेकर वामदलों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। और कहा कि आज इस आंदोलन के माध्यम से वामदलों की मांग है कि जन-आंदोलनों से ठीक पहले नेताओं-कार्यकताओं को हाउस अरेस्ट करने, नजरबंद करने और गैरकानूनी हिरासत में रखने की कार्रवाइयों पर कड़ाई से रोक लगाने, धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन की अनुमति सुनिश्चित करने, विपक्षी दलों के नेताओं व कार्यकताओं के विरुद्ध ईडी, सीबीआई आदि संस्थाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने, मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम के हत्याकांड में न्याय की मांग करने वाले परिजनों व प्रदर्शनकारियों से बर्बर, मनुवादी, हिंसक व गैर-संवैधानिक व्यवहार करने वाले एसएसपी अविनाश पांडेय को तत्काल निलंबित कर कड़ी सजा देने, गैर-कानूनी और मनमाने बुलडोजर राज पर रोक लगाने, फर्जी एनकाउंटरों पर रोक लगाने, नोएडा सहित अन्य जगहों पर हुए मजदूर आंदोलनों में गिरफ्तार सभी मजदूरों, सामाजिक कार्यकताओं व समर्थक बुद्धिजीवियों को रिहा करने और फर्जी मुकदमे हटाने तथा दलित, महिला, अल्पसंख्यक उत्पीड़न पर रोक लगाने और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग है।

कलश यात्रा के साथ संगीतमयी श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह एवं मूर्ति स्थापना समारोह का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

ककरवई (झांसी)। ककरवई क्षेत्र के ग्राम मछलीकांछ स्थित श्री काल भैरव बाबा प्रांगण में मंगलवार को संगीतमयी श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह, मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल से प्रारंभ होकर पवित्र धसान नदी तक पहुंची। यात्रा में घोड़े, डीजे और गाजे-बाजे आकर्षण का केंद्र रहे। सबसे आगे कथा परीक्षित महेश निषाद सिर पर श्रीमद्भागवत महापुराण धारण किए चल रहे थे, जबकि उनके पीछे बड़ी संख्या में महिलाएं मंगल गीत गाते हुए सिर पर कलश रखकर चल रही थीं। धसान नदी से पवित्र जल लाने के बाद ग्राम के विभिन्न देवस्थलों पर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात कलश यात्रा पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। कथा के प्रथम दिवस वृंदावन धाम से पधारे कथाव्यास पंडित रोहित कृष्ण शास्त्री ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा एवं मानव जीवन में उसके महत्व का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के समापन पर कथा परीक्षित महेश निषाद ने सपत्नीक श्रीमद्भागवत महापुराण की आरती उतारी। आयोजन समिति ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन 14 जुलाई से 20 जुलाई तक चलेगा। सभी धार्मिक अनुष्ठान आचार्य विनोद कुमार शास्त्री के सान्निध्य में वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराए जाएंगे। इस अवसर पर दिनेश तिवारी, शिवप्रसाद नन्ना, मोहन सिंह निषाद, सुम्मेर निषाद, रामाधार मुखिया, देवीदीन बाबा, संतराम निषाद, गनपत, मुन्नीलाल, खेमराम, चिरंजीलाल निषाद, सीताराम निषाद, राकेश निषाद, पूरण लाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

24 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालयी वारंटों के प्रभावी निस्तारण में बड़ी सफलता।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के क्रम में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में दिनांक 12.07.2026 से 13.07.2026 तक ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत गैंगस्टर एक्ट, स्थायी वारंटों एवं न्यायालय से निर्गत अन्य वारंटों के प्रभावी निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष गिरफ्तारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न थाना पुलिस टीमों द्वारा न्यायालय से निर्गत वारंटों का प्रभावी तामील कराते हुए तथा विभिन्न अभियोगों में वारण्टी अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 24 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट, वन अधिनियम, आर्म्स एक्ट, बीएनएस, एनआई एक्ट तथा अन्य गंभीर आपराधिक प्रकरणों में वारंटी अभियुक्त शामिल हैं। अभियान के दौरान थाना रॉबर्ट्सगंज से 04, करमा से 01, घोरावल से 02, शाहगंज से 03, पन्नूगंज से 01, ओबरा से 01, कोन से 04, दुद्धी से 03, बभनी से 01, पिपरी से 01 तथा अनपरा से 03 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

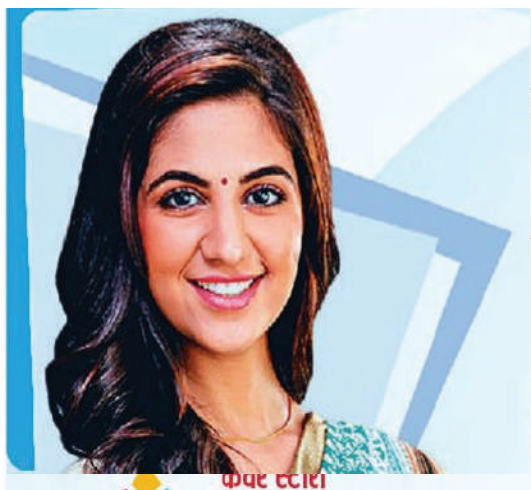

महिलाओं के पास घर-परिवार की एक नहीं कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं। परिवार के छोटे-बड़े सभी उन्हीं पर निर्भर रहते हैं, सबका ध्यान रखना होता है। इतना ही नहीं, घर की पूरी व्यवस्था भी उन्हें ही संभालनी होती है। इतनी सारी जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपना ध्यान नहीं रख पातीं, जो उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। ऐसे में महिलाएं होममेकर के साथ सेल्फमेकर भी बनें। वे दूसरों के साथ अपनी भी केयर करें, मी टाइम जरूर निकालें।

होममेकर के साथ-साथ सेल्फमेकर भी बनें

फीचर डेस्क

प्रतिभा अग्निहोत्री

हमारे समाज में घर-परिवार की नींव महिलाओं के त्याग, मेहनत और प्यार पर टिकी होती है। घर की महिला सुबह तड़के उठने से लेकर रात सोने तक अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों को पूरा करने में लगी रहती है। बच्चों की देखभाल, परिवार के हर सदस्य की पसंद-नापसंद का ध्यान रखना, घर की व्यवस्था, बुजुर्गों की देखभाल, पूरे दिन वह अपनी जिम्मेदारियां निभाती है। यही वजह है कि महिलाओं को घर की 'होममेकर' कहा जाता है, क्योंकि पूरे परिवार की धुरी वही होती हैं। परिवार का हर सदस्य उनके ऊपर निर्भर रहता है। सवाल यह है कि क्या केवल परिवार की देखभाल करना ही एक महिला की पहचान है? क्या उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है? हर महिला का भी अपना एक आत्मसम्मान है, इसे उन्हें बनाए रखना चाहिए। इसके लिए महिलाओं को स्वयं हर संभव प्रयास करना होगा, पूरी तरह से जागरूक भी रहना पड़ेगा।

खुद को पेंपर करें: आज समय की मांग है, महिलाएं 'होममेकर' के साथ-साथ 'सेल्फमेकर' भी बनें। इसका अर्थ यह नहीं कि वे अपनी जिम्मेदारियों से दूर हो जाएं। वे घर-परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ अपने लिए भी कुछ समय निकालें, अपनी खुशियों को महत्व दें, सेल्फकेयर करना सीखें, दूसरों के साथ-साथ खुद को भी पेंपर करें, अपने अस्तित्व और पहचान के लिए जागरूक रहें। इसके लिए मोटिवेशनल और पर्सनालिटी ग्रूम करने वाली बुक्स पढ़ें। दोस्तों से मिलें या अकेले कुछ समय बिताएं। ऐसा करना स्वार्थी बन जाना नहीं है, यह अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

खुद की भी करें केयर : अकसर देखा जाता है कि महिलाएं परिवार के हर सदस्य के स्वास्थ्य और पसंद का ध्यान रखती हैं, लेकिन जब बात खुद की आती है तो वे अपनी जरूरतों को पीछे कर देती हैं। घर में सबके लिए पौष्टिक खाना बनाने वाली महिलाएं कई बार खुद समय बचाने के लिए या फिर अपने मन का खाना बनाने में आलस्य कर जाती हैं, 'अरे अकेले के लिए क्या बनाना,' सोचकर कुछ भी खाकर अपना पेट भर लेती हैं। सभी के आराम का ध्यान रखने वाली महिलाएं थकान होने के बावजूद भी अपनी थकान को नजरअंदाज कर देती हैं। खुद को पीछे रखने की यह आदत धीरे-धीरे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं रहती, वे बीपी, शुगर और थायरॉयड जैसी बीमारियों का शिकार हो जाती हैं।

अपनी खुशी भी है जरूरी: चूंकि आप अपने परिवार की धुरी हैं, इसलिए यदि आप खुद स्वस्थ और खुश रहेंगी तो ही अपने परिवार को खुश रख पाएंगी, जिस प्रकार से हवाई जहाज में बैठते समय चोट लगने से बचने के लिए सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जाती है, उसी प्रकार घर में किसी आपातस्थिति को आने से रोकने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य और खुशी की सीट बेल्ट अवश्य लगानी चाहिए। इसके लिए जरूरी है, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ आप अपना भी वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं।

मी टाइम निकालें: विश्व प्रसिद्ध टॉक-शो होस्ट ओपरा विंफ्रे के अनुसार, 'अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि आप खुद को जानें और इसके लिए सबसे जरूरी है कि पूरे दिन घर में खटते रहने के बजाय आप अपने लिए भी कुछ समय निकालें, खुद के साथ कुछ समय बिताएं। इस समय में आप केवल अपनी पसंद का काम करें फिर वह चाहे योग, व्यायाम, किताब पढ़ने, संगीत सुनने, बागवानी करना, पेंटिंग करना, लिखने या किसी भी ऐसी हॉबी के लिए हो सकता है, जिससे आपको खुशी मिलती हो। वास्तव में हॉबी केवल समय बिताने का साधन नहीं होती, बल्कि अपनी हॉबी को पर्स्यू करने से एक सेटिस्फेक्शन मिलता है, जिससे आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती हैं और मन आत्मविश्वास से भर उठता है।

स्किल को डेवलप करें: प्रसिद्ध लेखिका सुधा मूर्ति कहती हैं, 'एक महिला जब अपने अंदर के आत्मविश्वास को पहचान लेती है तो वह अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।' आज का दौर सोशल मीडिया का है, जिसमें आप अपनी किसी भी

स्किल को डेवलप करके उसे प्रोफेशनल टच दे सकती हैं या फिर सोशल मीडिया से भी कमाई कर सकतीं है। यदि आपको कुकिंग का शौक है तो इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर इन्हें शेयर करके अच्छी खासी अर्निंग कर सकती हैं। लेखन, कला, सिलाई, संगीत या जिस भी क्षेत्र में आपकी रुचि है, उसे डेवलप करके आप खुद के साथ-साथ समाज और अपने परिवार को भी एक नई पहचान दे सकती हैं।

खुद को दें प्राथमिकता: नागरिकों, विशेषकर महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली एलेनेर रूजवेल्ट ने कहा है, 'आत्मसम्मान हमारी अपनी सोच से बनता है।' खुद का खान-पान हो, हेल्थ हो या फिर कहीं जाने का अवसर हो, महिलाएं खुद को सबसे पीछे रखती हैं। विचारणीय प्रश्न है कि यदि आप ही स्वयं को प्राथमिकता नहीं देंगीं तो दूसरे क्यों देंगे? इसलिए अपने प्रति अपनी सोच को उन्नत बनाएं और परिवार के सभी सदस्यों के साथ अपनी थाली में भी पौष्टिक भोजन रखें, अपना भी हेल्थ चेकअप करवाएं, परिवार के साथ-साथ अपनी खुशी का ध्यान रखें। कभी-कभी दोस्तों के साथ भी घूमने जाएं। अपनी पसंद की भी डिश बनाएं, अपने मन की मूवी देखें, इस सबसे आपके अंदर डोपामाइन हार्मोन रिलीज होगा, जिससे आप तो खुश रहेंगी ही, साथ ही परिवार के सभी सदस्य भी खुश रहेंगे।

आवाज उठाना सीखें: महिलाओं के हक के लिए लड़ने वाली नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई कहती हैं, 'हर महिला को अपनी पसंद, अपनी इच्छाओं और अपनी पहचान के लिए आवाज उठाने का अधिकार है।' कई परिवार वाले महिलाओं की भावनाओं और उनके काम की कद्र नहीं करते, ऐसे में अकसर महिलाएं खुद की भावनाओं और इच्छाओं से समझौता करना शुरू कर देती हैं। धीरे-धीरे उनकी सारी इच्छाएं और भावनाएं ही समाप्त हो जाती हैं। इससे बचने के लिए वे विनम्र और शालीन स्वर में अपनी बातें परिवार के सामने रखें, उन्हें समझाने का प्रयास करें। जरूरी है कि हर महिला खुद से वादा करे, इससे वह केवल दूसरों के सपनों को पूरा करने वाली नहीं, अपने सपनों को जीने वाली भी बनेगी। वह होममेकर जरूर बने, लेकिन इसके साथ ही अपनी जिंदगी की सेल्फमेकर भी बने। अपनी एक पहचान बनाए, सशक्त बने।

अपने काम का श्रेय लेने में संकोच कैसा!

कुछ लोग किसी काम में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे बेहतर अंजाम देते हैं। लेकिन इसका श्रेय लेने में संकोच करते हैं। नतीजा यह होता है, दूसरे उनके काम का श्रेय ले लेते हैं। अपने काम और मेहनत का श्रेय लेने से चूके नहीं। यह आपकी उन्नति के लिए जरूरी है।

एडवाइस

मेघा राठी

अकसर यह देखा जाता है कि कई लोग अपने काम, मेहनत और उपलब्धियों के बारे में बोलने से संकोच करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि उनका काम अच्छा होगा तो लोग स्वयं तारीफ करेंगे, लेकिन वास्तविकता उलट है, हर बार ऐसा नहीं होता। आपकी मेहनत का श्रेय कोई और ले जाता है। आप केवल 'विनम्र' बनी रह जाती हैं। इस तरह विनम्र बने रहना सही नहीं है। कुछ स्थितियों में अपने काम का उचित श्रेय लेना जरूरी है, क्योंकि यह केवल अहंकार की बात नहीं, आपके आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य के अवसरों से जुड़ी बात है।

चुप रहना क्यों गलत है: बहुत से लोग यह सोचकर अपने योगदान का उल्लेख नहीं करते कि कहीं लोग उन्हें घमंडी न समझ लें, जबकि वे टीम में सबसे अधिक मेहनत करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं, जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन जब परिणाम सामने आते हैं तब उनका कहीं नाम नहीं होता। धीरे-धीरे ऐसे होते रहना दूसरों के लिए सुविधा बन जाती है। लोग मान लेते हैं कि आप बिना पहचान चाहे भी काम करती रहेंगी। परिणाम यह होता है, आपकी मेहनत को कोई सम्मान नहीं मिलता और किसी दूसरे को अधिक योग्य समझा जाने लगता है।

काम का श्रेय न लेने के दुष्प्रभाव: यदि आप अपने योगदान को स्पष्ट नहीं करती हैं, तो लोग आपके काम का महत्व समझ ही नहीं पाते। कार्यस्थल हो, परिवार हो या सामाजिक जीवन, पहचान उसी की बनती है, जिसका योगदान दिखाई देता है। जब आप स्वयं अपने काम को नहीं बताएंगी, तब कई लोग आपके काम को अपना बताने लगते हैं। यह स्थिति मानसिक रूप से बहुत दुःख देती है, क्योंकि भीतर से आप जानती हैं कि मेहनत आपकी थी। लगातार अनदेखा किया जाना व्यक्ति के भीतर यह भावना पैदा कर देता है कि शायद उसका काम महत्वपूर्ण ही नहीं है। इससे आत्मविश्वास प्रभावित होता है, व्यक्ति अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। काम की दुनिया में अवसर उसी को मिलते हैं, जिसकी उपलब्धियां सामने आती हैं। यदि आपकी मेहनत लोगों तक पहुंचेगी ही नहीं तो नई जिम्मेदारियां, पदोन्नति या सम्मान कैसे मिलेगा, ये किसी और को मिल सकते हैं। इसलिए इसमें संकोच नहीं करना चाहिए।

अपने काम का श्रेय लेना अहंकार नहीं: कई लोग श्रेय मांगने को अहंकार समझते हैं, जबकि दोनों में अंतर है। अहंकार वह है, जहां व्यक्ति दूसरों को छोटा दिखाकर स्वयं को बड़ा साबित करे। लेकिन अपने काम का उचित उल्लेख करना अपना आत्मसम्मान है। यदि आपने मेहनत की है, जिम्मेदारी निभाई है, किसी कार्य को सफल बनाया है तो यह बताना गलत नहीं कि उसमें आपका योगदान क्या था।

श्रेय लेने का सही तरीका क्या हो: सवाल यह है आप अपने काम का श्रेय कैसे लें? इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि हर समय स्वयं की प्रशंसा करें। आप आवश्यकता पड़ने पर अपने योगदान को स्पष्ट और संतुलित तरीके से रखें। इसके लिए शांत और तथ्यात्मक भाषा का प्रयोग करें। दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। अपनी मेहनत को कम करके न दिखाएं। जहां जरूरी हो, वहां स्पष्ट रूप से कहें, 'इस कार्य में मेरा यह योगदान था।' यह ना भूलें कि अपने काम का श्रेय लेने का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब आप अपनी मेहनत को स्वीकारती हैं, तब भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। आपको महसूस होता है कि आपकी पहचान केवल दूसरों की स्वीकृति पर निर्भर नहीं है। आपको अपनी योग्यता पर यकीन होता है। जब लोगों को आपके योगदान का पता होता है, तब वे आपको नई जिम्मेदारियों और अवसरों के लिए योग्य मानते हैं।

चाइल्ड डेवलपमेंट

दीपिका शर्मा

जब बच्चे का शारीरिक-मानसिक विकास सही ढंग से होता ना दिखे तो इसका कारण समझना जरूरी हो जाता है। भविष्य में बच्चे को कोई बड़ी समस्या न हो, इसलिए एक्सपर्ट से सलाह लेनी चाहिए कि कहीं बच्चा न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर का तो शिकार नहीं है।

न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर जरूरी है समय पर पहचान

यदि किसी बच्चे को कोई मेंटल या फिजिकल प्रॉब्लम है, इसका पता समय रहते चल जाए तो इसे दूर करना आसान हो जाता है। इसकी एक अच्छी मिसाल है आठ वर्षीय आरवा। उसे तीन वर्ष की आयु तक बोलने में कठिनाई थी। स्कूल जाने पर उसे पढ़ने-लिखने में भी परेशानी होने लगी। पैरेंट्स ने विशेषज्ञों से परामर्श लिया। जांच में पता चला कि वह न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित है। समय पर स्पीच थेरेपी, स्पेशल एजुकेशन और फैमिली सपोर्ट मिलने से उसकी स्थिति में काफी सुधार हुआ। स्पष्ट है कि समय पर बच्चों के विकार की पहचान हो जाए और उचित देखभाल हो तो बच्चा सुधर सकता है।

बच्चे का डेवलपमेंटल पीरियड है बहुत महत्वपूर्ण: विशेषज्ञों के अनुसार जीवन का शुरुआती डेवलपमेंटल पीरियड बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी दौरान बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का तीव्र विकास होता है। यदि इस विकास प्रक्रिया में किसी प्रकार

की बाधा उत्पन्न होती है, तो बच्चे के सीखने, व्यवहार और सामाजिक कौशल पर प्रभाव पड़ सकता है।

समय पर पहचान है जरूरी: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर ऐसे विकार हैं, जो मुख्य रूप से मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के विकास को प्रभावित करते हैं। इनकी शुरुआत प्रायः बचपन में होती है। इनके लक्षण बच्चे के विकास की गतिविधियों में दिखाई देते हैं। प्रत्येक बच्चे के विकास के कुछ माइलस्टोन होते हैं, जैसे मुस्कुराना, बैठना, चलना, बोलना, वस्तुओं को पकड़ना, दूसरों से संवाद करना और नई चीजें सीखना। यदि बच्चा इन माइलस्टोंस को अपेक्षित समय पर प्राप्त नहीं कर पाता, तो यह विकासात्मक देरी के संकेत होते हैं।

ये हैं महत्वपूर्ण लक्षण: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित बच्चों में कई प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ बच्चों को बोलने और भाषा समझने में कठिनाई होती है, जबकि कुछ बच्चों को पढ़ने-लिखने में समस्या आती है। कई बच्चे ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, निर्देशों का पालन नहीं करते। कुछ बच्चों को दूसरों के साथ संवाद करने में भी परेशानी होती है।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज: ऊपर बताए गए लक्षणों को केवल बच्चे की 'शरारत' या 'धीमे सीखने की क्षमता' समझकर अनदेखा करना उचित नहीं है। अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन (एपीए) की डीएसएम-5-टीआर के अनुसार न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर की प्रमुख श्रेणियों में एडीएचडी (ध्यान-अभाव एवं अतिसक्रियता विकार), ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम विकार (जैसे डिस्लेक्सिया और डिस्कैल्कुलिया) संचार विकार शामिल हैं। ये विकार बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों, सामाजिक समायोजन, आत्मविश्वास और भविष्य के अवसरों को प्रभावित कर सकते हैं।

क्या है सही उपचार: इन विकारों का उपचार केवल दवाओं तक सीमित नहीं है। प्रारंभिक पहचान, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, विशेष शिक्षा, स्पीच और लैंग्वेज थेरेपी, व्यवहार चिकित्सा, परिवार और स्कूल का सहयोग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सजग रहें अभिभावक, शिक्षक और समाज: आज आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक, शिक्षक और समाज बच्चों के विकासात्मक संकेतों के प्रति सजग रहें। न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर किसी बच्चे की कमजोरी नहीं है, बल्कि ऐसी परिस्थितियां हैं, जिनमें अतिरिक्त समझ, धैर्य और सहयोग की आवश्यकता होती है। सही समय पर सहायता, संवेदनशील दृष्टिकोण से ऐसे बच्चों को भी आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर दिया जा सकता है।

(क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर नेहा से बातचीत)

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

नाइट क्रीम से मिलेगा सॉफ्ट-नेचुरल ग्लो

दिन भर काम की व्यस्तता, तनाव, भाग-दौड़ वाली जीवनशैली और प्रदूषण की वजह से हमारी त्वचा बेजान हो जाती है। रात के समय स्किन खुद को रिपेयर करती है। इस दौरान नाइट क्रीम लगाना बेहद फायदेमंद होता है। इन दिनों बाजार में कई तरह की नाइट क्रीम उपलब्ध हैं, लेकिन अच्छी क्वालिटी की नाइट क्रीम आप घर पर ही आसानी से बना सकती हैं। ये आपकी ब्यूटी पर चार चांद लगाएंगे, सस्ते भी पड़ेंगे और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

स्किन के लिए फायदेमंद: नाइट क्रीम एक तरह की न्यूट्रीशस क्रीम होती है, जिससे मसाज करने पर त्वचा में नमी बढ़ती है। ये स्किन को ठंडा रखने वाला तत्व भी प्रदान करती है, जिससे स्किन कूल फील करती है।

कई तरह की नाइट क्रीम को एंटी-एजिंग क्रीम की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इनमें ऐसे तत्व भी मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम कर सकते हैं।

स्किन टाइप का रखें ध्यान: नाइट क्रीम को यूज करने से पहले स्किन टाइप का ध्यान रखना जरूरी है। यह उन महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद होती है, जिनकी स्किन नॉर्मल या ड्राय होती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है या आपके चेहरे पर मुंहासे, फुंसी या रैशेज जल्दी हो जाते हैं तो इसका उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऑयली स्किन को क्रीम से मसाज करने की जरूरत नहीं होती है। अगर आप इसका इस्तेमाल करती हैं तो इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं और ब्लैक हेड्स या कील-मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। अगर आपकी नॉर्मल या ड्राय स्किन है तो आप 25 साल की उम्र के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करें अप्लाई: रात को सोने से पहले स्किन को साफ करने के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए। सबसे पहले चेहरे पर नाइट क्रीम लगाकर अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। आप अपनी गर्दन पर भी नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

नॉर्मल-ऑयली स्किन के लिए: नॉर्मल और ऑयली स्किन के लिए नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। एलोवेरा जैल में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर बने मिश्रण को सोने से ठीक पहले चेहरे, गर्दन और खुली त्वचा पर लगा कर सो जाएं। सुबह उठते ही ताजे पानी से धो डालें। इससे आपकी स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।

ड्राय स्किन के लिए: अगर आपकी स्किन ड्राय है तो नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। दो चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच ऑलिव ऑयल और दो चम्मच मिल्क पावडर को मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। अपने चेहरे और गर्दन को साफ करके इस पेस्ट को स्किन पर लगाकर सो जाएं। सुबह ताजे पानी से इसे धो डालें। आप चाहें तो इस मिश्रण को ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट जार में फ्रिज में रख कर रोजाना रात्रि में उपयोग कर सकती हैं।

डाइट सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के मौसम में कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए बॉडी इम्यूनिटी का स्ट्रॉन्ग होना जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी डाइट का ध्यान रखना होगा। इस सीजन में कैसी हो आपकी डाइट, जानिए।

रेग्युलर लें न्यूट्रिशस डाइट स्ट्रॉन्ग रहेगी इम्यूनिटी

बरसात के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। तापमान में उतार-चढ़ाव रहता है। ऐसे में वातावरण में कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस, फंगस तेजी से पनपते हैं। यही कारण है कि इस दौरान सर्दी, जुकाम, वायरल फीवर, गले में खराश, पेट में संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और त्वचा संबंधी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के दौरान खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाया जा सकता है। इसके लिए खाद्य पदार्थों का चयन करते समय आपको जानना चाहिए कि कौन से ऐसे सुपरफूड्स हैं, जो इस मौसम में विटामिन, खनिज, एंटी ऑक्सीडेंट्स और अन्य जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में देते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक होते हैं।

अदरक: अदरक यूं तो कई लोग स्वाद के लिए हर मौसम में खाते हैं, लेकिन बारिश के दिनों में इसका इस्तेमाल जरूर करें। इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री और एंटीऑक्सीडेंटिव गुण शरीर को संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही यह हमारे पाचन को भी बेहतर बनाती है, जिससे पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। सर्दियों की तरह बारिश में भी अदरक वाली चाय गले को आराम पहुंचाती है और सर्दी-जुकाम से हमें छुटकारा दिलाती है।

हल्दी: हल्दी भी एक ऐसा सुपर फूड है, जिसका इस्तेमाल बारिश के दिनों में जरूर करना चाहिए। हालांकि हल्दी भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए अगर विशेष रूप से इस पर फोकस न भी किया जाए, तो भी हल्दी हम अकसर खाते ही रहते हैं। लेकिन बारिश के दिनों में इसे पूरी सजगता से अपने भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला करक्यूमिन शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट तत्व, यह सूजनरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। मानसून में हल्दी वाला दूध पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर की नियमित प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है। कई शोधों से पता चला है कि हल्दी में रोग प्रतिरोध क्षमता होती है, लेकिन इसका इस्तेमाल संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

दही-छाछ: बरसात के मौसम में पाचनतंत्र को स्वस्थ रखने में दही और छाछ भी बहुत सहायक हैं, लेकिन कई लोग बारिश के दिनों में दही खाने से बचते हैं। जबकि इसके खाने से आंतों में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं। पाचन भी बेहतर होता है और शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता को भी मजबूती मिलती है।

मौसमी फल-सूखे मेवे: मानसून में उपलब्ध कई फल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं जैसे जामुन, नाशपाती, आलू बुखारा, सेब और अनार। ये खाने से शरीर को पोषण मिलने के साथ-साथ प्रतिरोधी तंत्र को भी मजबूती मिलती है। कोई भी फल हमेशा धोकर खाने चाहिए।

क्या खाएं-क्या न खाएं

- दिन में एक-दो बार तुलसीयुक्त हर्बल चाय पिएं।
- घर का बना ताजा और गर्म भोजन करें। बासी भोजन खाने से बचें।
- अत्यधिक तले, भुने खाद्य पदार्थ न खाएं। बाजारू चीजें खाने से बचें।
- बादाम, अखरोट, काजू और अन्य ड्राय फ्रूट्स खाएं।
- पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पिएं।